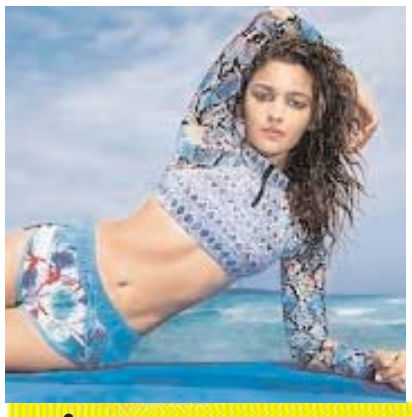

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 101 | ग्वालियर, मंगलवार 01 जून 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने

हिमाचल प्रदेश के लिए कोविड राहत सामग्री भेजी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश के लिए कोविड राहत सामग्री से भरी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे. आपको बता दें कि इसके पहले बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी सरकार के 7 साल पूरे होने के बाद भी कई राज्यों में कोविड राहत सामाग्री भेजी थी उन्होंने राहत सामग्री से भरे कई ट्रकों को हरी झंडी दिखाई थी. मोदी सरकार के सात साल पूरे होने के बाद जेपी नड्डा ने विपक्ष पर जमकर हमला भी बोला था. नड्डा ने वैक्सीनेशन के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों की जमकर खिंचाई की थी.

नड्डा ने मोदी सरकार के दूसरे टर्म के दो साल पूरे होने के मौके पर विपक्षियों पर हमला जारी रखते हुए कहा था कि जिन लोगों ने कोरोना वैक्सीन को मोदी की वैक्सीन बताई थी अब वो लोग ही वैक्सीन के लिए मारामारी कर रहे हैं. उन्होंने विपक्षी दलों पर डिजिटल माध्यमों से कार्यक्रम करने का आरोप लगाया था. जेपी नड्डा ने कहा था कि आज जो कोविड वैक्सीन पर हल्ला कर रहे हैं, ये वही लोग हैं, जिन्होंने वैक्सीन पर रिसर्च के वक्त भारत के आत्मविश्वास को तोड़ने काम किया था. रविवार को मोदी सरकार की सातवीं वर्षगांठ पर बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता कोविड रोकथाम एवं राहत गतिविधियों में भाग ले रहे थे आपको बता दें कि इसके पहले बीजेपी ने केंद्र में अपनी सरकार की वर्षगांठ नहीं मनाने का फैसला किया था बीजेपी ने देशभर में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बाद राहत कार्यों का आयोजन किया था.वहीं पश्चिमी दिल्ली के बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा था कि सात ट्रकों के काफिले में चार लाख फेस शील्ड, 5,000 राशन किट, एक लाख मास्क और 5,000 ऑक्सीजन कैनुला हैं, इन्हें स्वास्थ्य कर्मियों तथा लोगों को बांटा जाएगा. वर्मा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के सात साल पूरे होने के मौके पर भाजपा कार्यकर्ता 'सेवा दिवस' के जरिए लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. प्रवेश वर्मा ने आगे कहा कि महामारी के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने 30 करोड़ लोगों की मदद की.

द्वितीय विश्व युद्ध में लापता 400 सैनिकों को गुजरात में तलाशेगा अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका के रक्षा विभाग ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में लापता हुए अपने 400 से अधिक सैनिकों के अवशेषों को खोजने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसके लिए उसने गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के साथ हाथ मिलाया है. एनएफएसयू के विशेषज्ञ अमेरिका के रक्षा विभाग के तहत काम करने वाले एक अन्य संगठन डीपीएए की मदद करेंगे. डीपीएए ऐसा संगठन है जोकि युद्ध में अमेरिका के 400 युद्ध के दौरान लापता और बंदी बनाए गए सैनिकों का लेखा-जोखा रखता है. द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका के 400 सैनिक भारत में लापता हो गए थे. यह तलाश उन्हीं के लिए हो रही है.

400 अमेरिकी सैनिक भारत में हुए थे लापता

एनएफएसयू में डीपीएए की मिशन परियोजना प्रबंधक डॉ गार्गी जानी ने कहा, %अमेरिका के लापता सैनिकों के अवशेषों को खोजने में हर संभव मदद की जाएगी.% डॉ गार्गी ने कहा कि एजेंसी की टीमें द्वितीय विश्व युद्ध, कोरियाई युद्ध, वियतनाम युद्ध, शीत युद्ध और इराक और फारस के खाड़ी युद्धों सहित अमेरिका के पिछले संघर्षों के दौरान लापता हुए सैनिकों के अवशेषों का पता लगाकर उनकी पहचान कर उन्हें वापस लाने की कोशिश करेंगी. उन्होंने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध, कोरियाई युद्ध, वियतनाम युद्ध और शीत युद्ध के दौरान अमेरिका के 81,800 सैनिक लापता हुए हैं, जिनमें से 400 भारत में लापता हुए थे.डॉ गार्गी ने कहा कि एनएफएसयू डीपीएए को उनके मिशन में वैज्ञानिक और लॉजिस्टिक रूप से हर संभव मदद करेगा.

पहले यह थी अमेरिका की स्थिति

गौरतलब है कि जब दूसरा विश्व युद्ध छिड़ गया, तो अमेरिका ने उसकी तटस्थता की घोषणा की. फासीवादी शक्तियों द्वारा आक्रामकता की शुरुआत के बाद से, अमेरिका ने ब्रिटेन और फ्रांस के समान एक नीति का पालन किया था. सुडेटनलैंड पर म्यूनिख वार्ता के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेम्बरलेन की तुष्टिकरण की नीति का समर्थन किया था. अमेरिका ने चीन में जापानी आक्रमण का विरोध किया था, लेकिन इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया. अधिकांश अमेरिकी युद्ध में ब्रिटेन के प्रति सहानुभूति रखते थे लेकिन युद्ध में अमेरिकी प्रवेश को निर्देशित करने का विरोध कर रहे थे.

7 करोड़ से ज्यादा लोग मारे गए द्वितीय विश्वयुद्ध में

इतिहास का सबसे खूनी संघर्ष माने जाने वाले द्वितीय विश्व युद्ध में सात करोड़ से ज्यादा लोग मारे गए थे. इस युद्ध के बाद अमेरिकी सेना एक चकित करने वाले निष्कर्ष पर पहुंची थी कि युद्ध में उतनी हत्याएं नहीं हुईं थी, जितनी हो सकती थी. अमेरिका का कहना था कि उसके ज्यादातर सैनिकों ने हत्या नहीं की थी. अमेरिका के 10 सैनिकों के एक दल में औसतन तीन से भी कम सैनिकों ने युद्ध के दौरान गोली चलाई होगी, चाहे उनका अनुभव कुछ भी रहा हो या सामने वाला शत्रु उनके लिए कितना ही बड़ा ख़तरा रहा हो.

द्वितीय विश्व युद्ध में लापता 400 सैनिकों को गुजरात में तलाशेगा अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका के रक्षा विभाग ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में लापता हुए अपने 400 से अधिक सैनिकों के अवशेषों को खोजने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसके लिए उसने गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के साथ हाथ मिलाया है. एनएफएसयू के विशेषज्ञ अमेरिका के रक्षा विभाग के तहत काम करने वाले एक अन्य संगठन डीपीएए की मदद करेंगे. डीपीएए ऐसा संगठन है जोकि युद्ध के दौरान लापता और बंदी बनाए गए सैनिकों का लेखा-जोखा रखता है. द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका के 400 सैनिक भारत में लापता हो गए थे. यह तलाश उन्हीं के लिए हो रही है.

400 अमेरिकी सैनिक भारत में हुए थे लापता-एनएफएसयू में डीपीएए की मिशन परियोजना प्रबंधक डॉ गार्गी जानी ने कहा, अमेरिका के लापता सैनिकों के अवशेषों को खोजने में हर संभव मदद की जाएगी. डॉ गार्गी ने कहा कि एजेंसी की टीमें द्वितीय विश्व युद्ध, कोरियाई युद्ध, वियतनाम युद्ध, शीत युद्ध और इराक और फारस के खाड़ी युद्धों सहित अमेरिका के पिछले संघर्षों के दौरान लापता हुए सैनिकों के अवशेषों का पता लगाकर उनकी पहचान कर उन्हें वापस लाने की कोशिश करेंगी.

गरीब लोग याद रखें कि मैं आप सबके लिए हूं, उकसावे में न हों शामिलः ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बैठक के दौरान कहा कि गरीब लोग याद रखें कि मैं आप सबके लिए हूं, उकसावे में शामिल न हों. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने चक्रवात यास पर समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि मैंने (चक्रवात यास प्रभावित) दीघा का दौरा किया है, यहां मुख्य सचिव अलपन बंद्योपाध्याय की जिम्मेदारी है. मछुआरों के मुआवजे के बारे में सोचा जाना चाहिए. बता दें कि बैठक में मुख्य सचिव थे, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बैठक के दौरान कहा, कोविड मामलों की दैनिक संख्या घटकर 11,000 हो गई है. दैनिक सकारात्मकता दर घटकर 18 -19 प्रतिशत हो गई. मृत्यु दर 0.56त्न है, जो पहली लहर से कम है, और डिस्चार्ज दर 91प्रतिशत है. यास चक्रवात पर समीक्षा बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, हमें चक्रवात के लिए कोई राहत पैकेज नहीं मिला और न ही हमने इसके लिए कहा. दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में चक्रवाती तूफान यास से प्रभावित राज्य पश्चिम बंगाल का दौरा करने के बाद एक समीक्षा बैठक बुलाई थी. इस बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके करीबी माने जाने वाले मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय करीब आधे घंटे देर से पहुंचे थे और थोड़ी देर रुकने के बाद वहां से निकल गए थे. इसे सर्विस रूल्स के खिलाफ माना जा रहा है. अब मुख्यमंत्री ने चिंता जाहिर की है कि शायद इसी बात को मुद्दा बनाते हुए केंद्र ने मुख्य सचिव अलापन बंदोपाध्याय का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है.

कोविड वैक्सीनेशन पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान हुई अहम बातें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कोविड वैक्सीनेशन को लेकर केंद्र सरकार की नीति पर कई सवाल खड़े किए. सवाल -18-45 वालो के वैक्सीन का मसला राज्यों पर छोड़े जाने और वैक्सीन की दोहरी कीमत को लेकर थे. कोर्ट ने कहा कि 45 साल से ज़्यादा उम्र वालो के लिए केंद्र ने राज्यो को वैक्सीन उपलब्ध कराई ,लेकिन 18-45 वालो के लिए वैक्सीन हासिल करना का जिम्मा राज्यों पर क्यों छोड़ दिया था. कोर्ट ने पूछा - क्या आप चाहते है कि राज्य प्राइवेट वैक्सीन निर्माताओं से वैक्सीन हासिल करने के लिए आपस में मुकाबला करें. क्या आप चाहते है कि राज्य और म्युनिसिपल कॉरपोरेशन विदेशी वैक्सीन को हासिल करने के लिए ग्लोबल टेंडर जारी करे. कोर्ट ने केंद्र और राज्यों दोनो के वैक्सीन को हासिल करने के लिए दी जा रही अलग अलग कीमत पर भी सवाल उठाए.कहा- केंद्र चूंकि ज़्यादा मात्रा में वैक्सीन ले रहा है तो उसे कम कीमत देनी पड़ रही है लेकिन राज्य

ज़्यादा क़ीमत क्यों दे. पूरे देश में वैक्सीन की एक कीमत होनी चाहिए.आखिर 50 फीसदी वैक्सीन की कीमत का मसला वैक्सीन निर्माताओं पर कैसे छोड़ दिया. कोर्ट ने कहा- अगर केंद्र 45 से ज़्यादा उम्र के लोगों पर ज़्यादा खतरा मानते हुए उनके लिए टीका दे सकता है तो 18-45 वाले बहुत गरीब तबके के लिए क्यों नहीं सकता . ये लोग खुद वैक्सीन नहीं खरीद सकते. सवाल ये भी है कि निरक्षर / गरीब कैसे कोविन एप के जरिये खुद को रजिस्टर करेंगे। बताया गया- जिन लोग के पास मोबाइल नहीं है, गांव में रहते है, सेंटर पर जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते है. कोर्ट ने कहा -आप डिजिटल इंडिया की बात करते है, लेकिन गांवो में डिजिटल साक्षरता नहीं है. ई कमेटी का चेयरपर्सन होने के नाते मैं इसे बखूबी समझता हूँ आप ज़मीनी हकीकत को समझने की कोशिश कीजिए. कोर्ट ने ये भी कहा कि हमे पता चला है कि चंद सेकेंडो में कोविन ऐप पर स्लॉट बुक हो रहे है.

कुछ हफ्तों में शुरू होगा मिक्स वैक्सीन का परीक्षण, प्रतिदिन 1 करोड़ टीकाकरण का लक्ष्य

दिल्ली। भारत में जल्द ही कोरोना वायरस की अलग अलग वैक्सीन को एक साथ मिलाकर टेस्ट किया जाएगा. साथ ही ये देखा जाएगा कि ये हमारे शरीर में इम्यून सिस्टम को मजबूत बना रहा है या नहीं. दरअसल ये टेस्ट वर्तमान में मौजूद वैक्सीन और लागू होने वाली वैक्सीन को मिलाकर किया जा सकता है. वैक्सीन पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के तहत कोविड 19 कार्य समूह के अध्यक्ष डॉ एन के अरोड़ा ने कुछ हफ्तों में काम शुरू होने की उम्मीद जताई है. डॉ अरोड़ा ने बताया कि कोरोना वायरस की अलग अलग वैक्सीन को टेस्ट करने की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में लगभग आठ वैक्सीन को मिला कर टेस्ट किया जा सकता है. वैक्सीन पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के तहत कोविड 19 कार्य समूह के अध्यक्ष डॉ एन के अरोड़ा ने बताया कि अगस्त तक हमारे पास प्रति माह 20-25 करोड़ टीके की खुराक की उपलब्धता होगी. उन्होंने कहा कि इसके अलावे हमें अन्य निर्माण इकाइयों से 5-6 करोड़ खुराक या फिर अंतरराष्ट्रीय वैक्सीन खुराक मिल सकती है. देश में प्रतिदिन 1 करोड़ लोगों को टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. डॉ अरोड़ा ने बताया कि कोरोना वायरस की अलग अलग वैक्सीन को टेस्ट करने की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में लगभग आठ वैक्सीन को मिला कर टेस्ट किया जा सकता है, इसमें वर्तमान में मौजूद तीन वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड, भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और रूस निर्मित स्पुतनिक वी शामिल है.

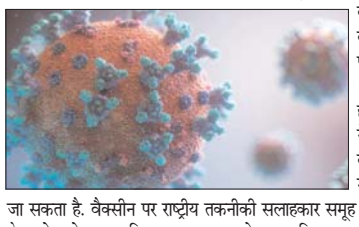

चीन का आबादी बढ़ाने पर जोर, 3 बच्चे पैदा करने की नीति लागू की

नई दिल्ली। जनसंख्या वृद्धि से जहां दुनिया के ज्यादातर देश परेशान हैं, तो वहीं ये चीन की जरूरत बन गई है. दरअसल चीन में जनसंख्या इतनी तेजी से घट रही है कि आने वाले कुछ सालों में चीन को युवाओं की कमी का सामना करना पड़ सकता है. तेजी से घटती जनसंख्या से सरकार इतनी परेशान हो गई है कि उसने 3 बच्चे पैदा करने की नीति को लागू कर दिया है. चीन ने आबादी की बढ़ती उम्र और देश की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं के लिए खतरा पैदा करने वाली घटती जन्म दर को रोकने के लिए यह फैसला किया है. इसका मतलब अब चीन के नागरिक तीसरा बच्चा भी पैदा कर पाएंगे. चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता में एक पोलित ब्यूरो की बैठक के दौरान बदलाव को मंजूरी दी गई. इससे पहले ड्रैगन ने साल 2015 के अंत में 'एक बच्चा नीति' बदली थी. तब चीन की सरकार ने दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दे दी थी. सरकार को अनुमान था कि देश की जन्मदर में तेजी से वृद्धि होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. वृद्धि की बजाय जन्मदर में और अधिक गिरावट आ गई. वर्तमान समय में देश की एक बड़ी आबादी बूढ़ी होने वाली है. जिसके कारण आने वाले समय में देश को यूथ पॉवर की कमी भी हो सकती है. आलम ये है कि सरकार द्वारा नव-दंपतियों को परिवार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. ये काम स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है. यह प्रोत्साहन 'जनसंख्या बढ़ाने की नई नीति' का हिस्सा है. इसके अनुसार वर्ष 2020 तक 30 लाख बच्चे प्रतिवर्ष पैदा होने चाहिए ताकि वर्ष 2050 तक 3 करोड़ युवा लेबर फोर्स में शामिल किए जा सकें. लेकिन जन्मदर बढ़ने का कोई 'बेबी बूम' चीन में नहीं दिख रहा है.

तंबाकू सेवन से 2030 तक एक करोड़ लोगों की जान जा सकती है: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विश्व तंबाकू दिवस पर आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च एनआईसीपीआर की निदेशक डॉ. शालिनी सिंह के अनुसार तंबाकू न केवल हमारी जेब में छेद कर रहा है, बल्कि यह हमारी जान भी ले रहा है. तंबाकू की खपत की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है सिर्फ तंबाकू के एकमात्र उपयोग से 2030 तक सालाना लगभग 10 मिलियन लोगों की जान चली जाएगी. डॉ. सिंह ने कहा कि अनुमान है कि 2030 तक अकेले तंबाकू के कारण सालाना लगभग 10 मिलियन लोगों की जान चली जाएगी. इसलिए हम सभी के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि हम तंबाकू की खपत को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं और अपनी आने वाली पीढ़ी को इसकी लत से कैसे बचा सकते हैं. इस वर्ष के विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उद्देश्य को बताते हुएए डॉ. सिंह ने कहा इस वर्ष का लक्ष्य हानिकारक उत्पाद का उपयोग छोड़ने में तंबाकू उपयोगकर्ताओं को हर संभव सहायता प्रदान करना है. सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियमए 2003 सीओटीपीए में प्रस्तावित संशोधनों से तंबाकू नियंत्रण तंत्र को मजबूती मिलने पर जोर देते हुए डॉ सिंह ने देश में तंबाकू की खपत को कम करने के लिए तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ाने का सुझाव दिया. डॉ. सिंह ने कहा कि धूम्रपान रहित तंबाकू की खपत को कम करने के लिए भारत को आगे आना होगा, क्योंकि यह ज्यादातर दक्षिण पूर्व एशिया में खपत होता है. रेलवे स्टेशनों या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान के लिए कोई समर्पित स्थान नहीं है, जबकि हवाई अड्डों पर धूम्रपान क्षेत्र है. इस प्रथा को हतोत्साहित किया जाना चाहिए. तंबाकू के अवैध व्यापार पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि मनोरंजन उद्योग को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है क्योंकि मशहूर हस्तियों की ओर से तंबाकू उत्पादों का समर्थन समाज में इसकी स्वीकार्यता को प्रोत्साहित करता है.डॉ सिंह ने आगे कहा कहा हमारे जागरूकता कार्यक्रम में बहुत कमियां हैं. एएनएमए आशा दीदी जैसे फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को प्रमुख भूमिका निभाने की जरूरत है. उन्हें गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को तंबाकू के सेवन से यह कहकर हतोत्साहित करना चाहिए कि इससे उनके नवजात शिशुओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. अध्ययनों के अनुसार इसने दुनिया में अकेले स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक बोझ डाला है, जबकि 2017.18 के आंकड़ों के अनुसार भारत को प्रति वर्ष 27.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है. उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य देखभाल लागत के एक बड़े नुकसान का बचाव यह कहकर नहीं किया जा सकता है कि तंबाकू की खपत करों के माध्यम से राजस्व लाती है.

एक नजर...

कोविड-19 प्रॉटोकॉल का पालन कराने हेतु जिला दण्डाधिकारी ने किया दण्डात्मक आदेश जारी

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। जिले में नोबोल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण एवं जन सामान्य के स्वास्थ्य हित एवं लोक शांति बनाये रखने के उद्देश्य से एवं मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल के दिशा निर्देश एवं जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की आयोजित वर्चुअल बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में जारी किया गया है। उक्त आदेश को यथावत् रखते हुये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस. द्वारा भिण्ड जिले की राजस्व सीमान्तर्गत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में निहित शक्तियों का प्रयोग कर कोविड-19 प्रॉटोकॉल का पालन कराने हेतु निम्नानुसार दण्डात्मक आदेश जारी किया है।

1. दुकानदार/प्रतिष्ठान अपनी दुकान/प्रतिष्ठान के बाहर सोशल डिस्टेसिंग का पालन सुनिश्चित कराने हेतु गोले बनाना, रस्सी लगाना, सेनेटाईजर एवं मास्क की व्यवस्था तथा कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रथम उल्लंघन करने पर न्यूनतम राशि रू. 1000/-से लेकर अधिकतम राशि रू. 5,000/- जुर्माना बसूलनीय होगा। लगातार उल्लघंन करने पर उल्लघंनकर्ता की दुकान/प्रतिष्ठान को 48 घण्टे की अवधि तक सील्ड किया जावेगा तथा अर्थदण्ड की वसूला जायेगा।

2. सार्वजनिक स्थान व कार्य स्थल पर तथा परिवहन के दौरान कोई भी व्यक्ति बिना मुंह को ढ़के हुये अर्थात् बिना मास्क अथवा बिना कपड़ा से ढ़के घर से बाहर नहीं निकलेगा। आवश्यक सेवाओं की पूर्ति हेतु मुंह को मास्क अथवा कपड़े से ढ़कना अनिवार्य होगा। बिना मास्क के पाये जाने से प्रथम उल्लघंन पर राशि रूपये 100/- एवं द्वितीय उल्लघंन पर राशि रूपये 500/- का अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।

3. कोविड-19 संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये समस्त कार्यालयों/बैंक/हास्पीटल/न्यायालय परिसर को जीरो टोरिलेंस जोन घोषित किया गया है जिसमें शत प्रतिशत मास्क लगाया जाना तथा नो मास्क नो इंट्री अनिवार्य होगा।

4. होम आइशोलेशन अथवा कोरोना संक्रमण के दौरान चिकित्सक द्वारा दिये गये परामर्श का उल्लघंन करना इस आदेश का उल्लघंन माना जाकर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के तहत भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा।

मेहगांव राज्यमंत्री ओ पी एस भदोरिया ने मेहगांव शासकीय कन्या विद्यालय मैं स्वास्थ्य विभाग की बैठक

पुष्पांजली टुडे

मेहगॉव विधानसभा से विधायक शिवराज सरकार राज्यमंत्री कोविड-19 प्रभारी ओ पी एस भदौरिया ने शासकीय कन्या विद्यालय मेंहगाव में स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली जिसमें वैक्सीनेशन कार्य को तेजी से बढ़ाने के आदेश दिए और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैं हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा की इसमें लाइट प्रॉब्लम के कारण मरीजों को काफी परेशानी होती है इसलिए इसमें जनरेटर सुविधा और कोविड-19 सेंटर और कुछ बेड की व्यवस्था भी की जाए इस मौके पर उनके साथ में मौजूद रहे एसडीएम विजय राय और अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अरविंद सिंह राठौर तहसील दार आर एन खरे भाजपा एवं नमो संघ महामंत्री रोहित करैया भी उपस्थित रहे।

माडडी कोराना बचाव उपचार के लिए टीकाकरण शिविर का आयोजन किया

पाली। निकटवर्ती ग्राम पंचायत दयालपुरा के अंतर्गत राजस्व गांव माडडी राजकीय विद्यालय प्रांगण में मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी पाली के निर्देशानुसार कोविड-19 वैक्सीनेशन का आयोजन किया गया। सोनल देवासी ने बताया कि 45+ आयु वर्ग के बुजुर्गों को प्रथम और दूसरे डोज का टीका लगाया गया। टीकाकरण के दौरान स्वास्थ्य कर्मी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पंचायत प्रशासन के कार्मिक कोर कमेटी के सदस्यों ने सहयोग करके टीका लगाने के लिए बुजुर्गों को ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करके टीकाकरण केंद्र पर टीके लगाने के लिए लाया। गया और प्राथमिकता के आधार। पर टीकाकरण किया। गया इस मौके। पर लखन लाल मीणा व्याख्याता नारायण सिंह प्रधानाध्यापक माडडी जगदीश चंद्र मौर्य प्रबोधक पुनाराम अध्यापक मांगीलाल प्रबोधक उदय लाल प्रधानाध्यापक ढाणी जीतू दास ग्राम पंचायत। सहायक एवं आंगनवाड़ी। कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्मिक मौजूद रहे।

भावरी कोराना टीकाकरण शिविर का किया आयोजन

पुष्पांजली टुडे

पाली। मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी पाली के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ लगातार चिकित्सा विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में कोराना टीकाकरण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। पाली उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत भावरी राजकीय विद्यालय प्रांगण में 45+आयु वर्ग के लोगों को कोराना वैक्सीन के प्रथम और दूसरे डोज का टीका लगाया गया। श्यामा कुमारी ने बताया कि टीकाकरण अभियान के तहत टीकाकरण सत्र के दौरान बुजुर्गों को डोर टू डोर सर्वे करके कोराना वैक्सीन टीका लगाने से वंचित बुजुर्गों को ज्यादा से ज्यादा टीके लगाने के लिए किया प्रेरित। और तीसरे चरण के दौरान बुजुर्गों को प्रथम और दूसरे डोज का टीका लगाया गया। और प्राथमिकता के आधार। पर टीकाकरण किया गया। इस। मौके पर अध्यापक भरत कुमार जवान मल वरदाराम आंगनवाड़ी केंद्र के कार्मिक आशा सहयोगिनी रेखा कंचन पिंकी गर्ग। पंचायत सहायक जालम सिंह। राजपुरोहित ओमप्रकाश गर्ग प्रभु राम मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया

तंबाकू एवं तंबाकू निर्मित चीजों से शारीरिक व मानसिक दुष्प्रभाव पड़ता है

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

खंडवा। जिला चिकित्सालय खंडवा में 31 मई 2021 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर डॉ. जी.एस. छाबड़ा दंत रोग विशेषज्ञ द्वारा शपथ

दिलाई गई। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. ओ.पी. जुगतावत, डॉ. राकेश रेवारी दंत रोग विशेषज्ञ, जिला तंबाकू नियंत्रण नोडल अधिकारी डॉ. सुजीत वर्मा, एवं डॉ. अनिरुद्ध कौशल, डॉ. संजीव दिक्षित, डॉ. नितिन कपूर, डॉ. अंजलि जयसवाल, मेट्रन व अन्य स्टाफ उपस्थित था। प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि तम्बाकू के सेवन से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं तम्बाकू के सेवन से रोकथाम हेतु संबंधित नीतियों का सख्ती से पालन हो।

जिला तंबाकू नियंत्रण नोडल अधिकारी डॉ. सुजीत वर्मा ने बताया कि प्रति वर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में मानया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं, छात्र छात्राओं एवं जनसमान्य में तम्बाकू सेवन, धूम्रपान सेवन की बढती प्रवृत्ति को रोकने के लिये तम्बाकू, बीडी, सिगरेट के दुष्परिणामों से अवगत कराना है। ताकि युवाओं एवं जनसमान्य को कैंसर, टी.बी., हृदयघात आदि बीमारियों से बचाया जा सके तथा तम्बाकू एवं धूम्रपान के सेवन की रोकथाम हेतु जनजागृति का वातावरण बनाया जाकर तम्बाकू उत्पादों के सेवन से बचने का संदेश दिया जा सके। तम्बाकू के उपयोग से लोगों के फेफड़े प्रभावित होते है एवं अन्य बीमारियां भी होती है जैसे- फेफड़ों का कैंसर, श्वसन तंत्र की बीमारी, गर्भावस्था के समय धूम्रपान अथवा धूम्ररहित तम्बाकू के सेवन से शिशु को होने वाले दुष्प्रभाव अस्थमा, निमोनिया ब्रोन्काइटिस, बार-बार श्वसन तंत्र का संक्रमण एवं क्षयरोग इत्यादि। इसके सेवन से हृदय और रक्त संबंधी बीमारियाँ, पुरूषों में नपुंसकता और महिलाओं में प्रजनन क्षमता में कमी आना, बांझपन जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न होती है। बीमारियों की रोकथाम एवं इलाज में होने वाले खर्चे में से अधिकांश राशि तम्बाकू सेवन के कारण होने वाली बीमारियों के इलाज में खर्च होती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार धूम्रपान करने वालों को कोरोना से संक्रमित होने की अधिक संभावना है। सिगरेट, बीड़ी एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद का सेवन करने से कोरोना वायरस व्यक्ति के हाथ से मुंह तक एवं फिर शरीर में प्रवेश कर सकता है। धूमपान करने वालों को पहले से ही फेफड़े की बीमारी हो सकती है या फेफड़ों की क्षमता कम हो सकती है जिससे गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ ही धूमपान न करने वालों के मुकाबले धूमपान करने वालों को बीमारी की चपेट में आने पर सघन चिकित्सा और वेंटिलेटर की जरूरत कहीं अधिक होती है। आज हम ऐसी परिस्थिति में है। जहाँ कोरोना संक्रमण के साथ तम्बाकू उत्पादों का सेवन भी बढ़ता जा रहा है। यदि आप या आपके परिवार का कोई सदस्य धूमपान या अन्य तम्बाकू उत्पाद का सेवन छोड़ना चाहता है तो वह कुछ सुझाव को अपनाकर आसानी से तम्बाकू सेवन छोड़ सकता है जैसे - तम्बाकू छोड़ने के लिए कुछ सुझाव तम्बाकू सेवन की आदत छोड़ने तम्बाकू युक्त सारी वस्तुएँ अपने पास से हटा उन जगहों और लोगों से दूर रहे जो तम्बाकू की तलब की याद दिलाए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने इंसीडेंट कमांडर व पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

उज्जैन। कलेक्टर आशीष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ल ने आज पुलिस कंट्रोल रूम में उज्जैन शहर के सभी इसीडेंट कमांडर्स, सीएसपी, तहसीलदार , थाना प्रभारी आदि की बैठक लेकर 01 जून से उज्जैन शहर में होने वाले अनलॉक के संबंध में विस्तार से दिशा निर्देश दिए ।कलेक्टर ने बैठक में कहा कि राज्य शासन की गाइडलाइन एवं जिला प्रशासन द्वारा गत दिवस जारी धारा 144 के आदेश के तहत शहर को अनलॉक किया जाएगा । इसके तहत एकल दुकाने बारी- बारी से खोली जाएगी। एक साइड की दुकानें एक दिन दूसरे साइड की दुकानें दूसरे दिन । इसी तरह सब्जी मंडियों में अनलॉक के पूर्व जैसा चल रहा है वैसा ही चलेगा । सब्जी मंडियों में रिटेलर को जाने की अनुमति नहीं रहेगी ।हाट बाजार नहीं लगेंगे ।सभी ठेले वाले चलायमान स्थिति में रहेंगे , वे किसी एक स्थान पर खड़े होकर व्यापार नहीं करेंगे ।अंतिम संस्कार में 10 व्यक्तियों को जाने की अनुमति दी गई है । धार्मिक स्थल नही खोले जाएंगे यँहा पर अनलॉक के पूर्व की स्थिति बरकरार रहेगी ।इसी तरह विवाह की अनुमति के लिए थानों में 20 व्यक्तियों की सूची विवाह आयोजकों को देना होगी । बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी राज्य शासन की गाइडलाइन व कलेक्टर द्वारा जारी धारा 144 के आदेश का ध्यान पूर्वक अध्ययन कर लें तथा दिए गए दिशा-निर्देशों को कांस्टेबल स्तर तक पहुंचाएं जिससे किसी तरह की गफ़लत ना हो ।उन्होंने कहा कि गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन किया जाना अनिवार्य है ।पुलिस अधीक्षक ने अनलॉक होने के बाद शहर में लगाई गई बेरिकेटिंग की समीक्षा करने तथा अत्यावश्यक बेरिकेटिंग ही बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम जितेन्द्र सिंह चौहान , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र सिंह, आकाश भूरिया पुलिस उप अधीक्षक मुख्यालय एसएस राठौर सभी नगर पुलिस अधीक्षक , एसडीएम एवम तहसीलदार मौजूद थे।

पाकम कुटरोड़ वेंगल वेलियुर किल्लानुर कोमकमपेट एसोसिएशन की तरफ से एक लाख एक हजार रुपये मुख्यमंत्री कोष में सुपुर्द किये

चैन्नई /तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन पाक्कम कुटरोड वेंगल वेलीयुर किल्लानूर कोमकमपेट कि तरफ सु

101000/ रुपये तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष आणदप्रकाश शर्मा सघंठन के प्रदेश सहसचिव एम रमेश कुमार सैन को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे ऐरीया के सभी सदस्य मोजुद थे।

भावनगर राजकीय विद्यालय प्रांगण में कोविड-19 वैक्सीनेशन का क्या आयोजन

पाली। निकटवर्ती ग्राम पंचायत साकडडा के राजस्व गांव भावनगर के राजकीय विद्यालय प्रांगण में मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी। पाली के निर्देशानुसार कोविड-19 वैक्सीनेशन आयोजित किया गया। 45+आयु वर्ग के बुजुर्गों को प्रथम और दूसरे डोज का टीका। प्राथमिकता। के आधार पर लगाया गया। कोरोना संक्रमण के बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को थामने के लिए जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग लगातार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी तरह से सख्त नजर आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार अलग- अलग ग्राम पंचायत। स्तर। पर कोविड-19 वैक्सीनेशन का आयोजन किया जा। रहा। है। भावनगर के राजकीय विद्यालय प्रांगण। में। सुनीता कुमारी ने बताया। कि चिकित्सा विभाग एवं जिला। प्रशासन के निर्देशानुसार कोर कमेटी के सदस्य पंचायत प्रशासन आंगनबाड़ी केंद्र के कार्मिक स्वास्थ्य कर्मियों। द्वारा डोर टू डोर ग्राम पंचायत। क्षेत्र में किया सर्वे जिसमें टीकाकरण सत्र के दौरान टीका लगाने से वंचित बुजुर्गों को प्रेरित करके वैक्सीनेशन के दौरान टीका लगाया। गया। इस। मौके। पर प्रधानाध्यापक गणपत सिंह जोधा बी एल ओ सत्यनारायण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजू आंगनवाड़ी सहायिका दरिया देवी अध्यापक हरीश कुमार अध्यापिका कविता आदि। सहित मौजूद रहे।

कलेक्टर ने गृह विभाग से जारी निर्देश एवं क्राइसिस मेनेजमेंट में लिए गये निर्णयों के आधार पर किए निम्न आदेश जारी

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। म.प्र.शासन गृह विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल द्वारा 29 मई 2021 से माह मार्च अप्रैल 2021 से कोविड-19 संक्रमण के मामलों की संख्या में वृद्धि होने पर संक्रमण की रोकथाम हेतु दिशा निर्देश जारी किये गये थे, राज्य के विभिन्न जिलों में कोविड-19 संक्रमण की दर में कमी को दृष्टिगत रखते हुये कोरोना कर्फ्यू के प्रतिबंधों के संबंध में जारी पूर्व आदेशों को अधिक्रमित करते हुये दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।÷जिला भिण्ड में नोबोल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण एवं जन सामान्य के स्वास्थ्य हित एवं लोक शांति बनाये रखने के उद्देश्य से 23 मई 2021 को अधिक्रमित करते हुये एवं मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल के दिशा निर्देश तथा दिनांक 30 मई 2021 को जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की आयोजित वर्चुअल बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला भिण्ड डॉ सतीश कुमार एस. ने भिण्ड जिले की राजस्व सीमान्तर्गत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में निहित शक्तियों का प्रयोग कर संलग्न परिशिष्ट - 01 ,02,03 एवं 04 अनुसार आदेश प्रसारित करता हूं। संलग्न परिशिष्ट - 01, 02 ,03 ,04 उक्त आदेश का मूल भाग होगा जिसके अनुसार दिये दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

जिले के ग्रामों को 03 जोन में चिन्हांकित किया गया है। जहां कोविड-19 के शून्य एक्टिव केसस है, उन ग्रामों को ग्रीन ग्राम तथा जहां कोविड-19 के 04 तथा 04 से कम एक्टिव केस हैं, उन ग्रामों को येलो ग्राम के रूप में चिन्हांकित किया गया है। ग्रीन एवं येलो ग्रामों में परिशिष्ट- 01 में उल्लेखित प्रतिबंधित गतिविधियों के अलावा अन्य समस्त गतिविधियां संचालित हो सकेंगी। जिन ग्रामों में कोविड-19 के एक्टिव केसस 05 या 05 से अधिक है उन्हें रेड ग्राम के रूप मे चिन्हांकित किया गया है। रेड ग्रामों तथा नगरीय क्षेत्रों के माइक्रो कंटेनमेंट जोन में कोविड-19 संक्रमण के संबंध में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा तथा कोविड-19 प्रोटोकॉल के संबंध में शासन / जिला प्रशासन / पुलिस द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें। यह आदेश भिण्ड जिले में निवासरत प्रत्येक नागरिक को सम्यक् रूप से व्यक्तिशः तामील कराया जाना संभव नहीं है। अतः सार्वजनिक माध्यमों, इलैक्ट्रोनिक मीडिया एवं सामाचार पत्रों के माध्यम से सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक जिला भिण्ड, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला भिण्ड, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) / कार्यपालिक मजिस्ट्रेट समस्त जिला भिण्ड, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन भिण्ड, मुख्य नगर पालिका अधिकारी समस्त जिला भिण्ड में अपने अपने विभागीय माध्यमों से उक्त आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करें। यह आदेश दिनांक 01 जून 2021 मंगलवार से प्रभावी होकर अन्य आदेश तक लागू रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के तहत भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

प्रतिबंधित गतिविधियां

(जिले के समस्त शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों के लिये लागू)

1. सभी सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक समारोह / आयोजन / मेले आदि जिनमें जनसमूह एकत्रित होता है, प्रतिबंधित रहेंगे।
2. स्कूल / कॉलेज / शैक्षणिक / प्रशिक्षण / कोंचिग संस्थान बंद रहेंगे। ऑनलाईन क्लासेस चल सकेंगी।
3. सभी सिनेमा घर / शॉपिंग मॉल / स्वीमिंग पूल / थियेटर / पिकनिक स्पॉट, ऑडिटोरियम / सभागृह जिम / व्यायाम शाला पूर्णतः बंद रहेंगे।
4. समस्त धार्मिक / पूजा स्थल पर एक समय में 04 से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति नहीं रह सकेगी।
5. अत्यावश्यक सेवाऐं देने का कार्य करने वाले कार्यालयों को छोड़कर शेष कार्यालय 100 प्रतिशत अधिकारियों एवं 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ संचालित किये जा सकेंगे। अत्यावश्यक सेवाओं में जिला कलेक्ट्रेट, पुलिस, आपदा प्रबंधन, फायर, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, जेल, राजस्व, पेयजल आपूर्ति, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, विद्युत प्रदाय, सार्वजनिक परिवहन, कोषालय, पंजीयन सम्मिलित है।
6. अंतिम संस्कार में अधिकतम 10 लोगों के सम्मिलित होने की अनुमति रहेगी।
7. विवाह / शादी में दोनों पक्षों को मिलाकर अधिकतम 20 लोगों के साथ ही अनुमति रहेगी। इस प्रयोजन के लिये आयोजक को संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं संबंधित पुलिस थाना को अतिथियों के नाम की सूची आयोजन से पूर्व प्रदाय करना आवश्यक होगी।
8. प्रत्येक रविवार जनता कर्फ्यू रहेगा। शनिवार रात्रि 10.00 बजे से सोमवार प्रातः 06.00 बजे तक प्रभावी रहेगा।
9. कोई भी व्यक्ति अति आवश्यक गतिविधियों को छोड़कर रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06ः00 बजे के मध्य घर से बाहर नहीं निकलेंगे और न ही आवागमन करेगा। (औषधालय, कैमिस्ट, नर्सिंग होम को छोड़कर)
10. ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित होने वाले साप्ताहिक हाट बाजार, मेले प्रतिबंधित रहेंगे।
11. रूल ऑफ सिक्स ः- अनुमत्य गतिविधियों के अलावा किसी भी स्थान पर 06 से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा।

प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियांः-

(जिले के समस्त शहरी / ग्रामीण क्षेत्रों के लिये लागू)

1. समस्त प्रकार के उद्योग एवं औद्योगिक गतिविधियां चालू रह सकेंगी। इस हेतु उघोग से जुड़े अधिकारियों / कर्मचारियों / श्रमिकों को वैध आई कार्ड के साथ आने-जाने की अनुमति रहेगी।
2. उघोगों के कच्चा माल / तैयार माल के आवागमन पर किसी प्रकार की रोक नहीं होगी।
3. अस्पताल / नर्सिंग होम / क्लीनिक / मेडीकल इंश्योरेंस कंपनीज अन्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय सेवाऐं, पशु चिकित्सा अस्पताल चालू रहेंगे।
4. केमिस्ट, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की राशन दुकानें, किराना दुकानें, डेयरी एवं दूध केन्द्र, आटा चक्की, पिसाई सेंटर, पशु आहार, मोबाईल रिपेयरिंग सेंटर / दुकान, ऑप्टीकल स्टोर, ऑटो मोबाईल रिपेयरिंग शॉप, निर्माण संबंधी हार्डवेयर, इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रोनिक्स एवं सर्विस सेक्टर की दुकानें खोली जा सकेंगी। फल एवं सब्जियों की आपूर्ति पूर्व की तरह द्वार प्रदाय सेवा के माध्यम से ही की जावेगी।
5. पेट्रोल / डीजल पंप / गैस स्टेशन / रसोई गैस सेवाऐं पूरी तरह से चालू रहेंगी।
6. सभी कृषि गतिविधियों की अनुमति रहेगी। कृषि उपज मण्डी, खाद, बीज, कृषि यंत्र की दुकानें खोली जा सकेंगी।
7. बैंक बीमा कार्यालय एवं एटीएम चालू रहेंगे।
8. प्रिंट एवं इलैक्ट्रिोनिक मीडिया तथा केबल आपरेशन्स को अनुमति रहेगी ।
9. बैंक, इंश्योरेंस, एनबीएफसीएस से जुड़े संस्थानों के एमपीएलएस, कॉपरेटिव क्रेडिट सोशिटीज, कैश मैनेजमेंट एजेन्सीज संचालन एवं आवागमन की अनुमति रहेगी।
10. सभी प्रकार के सामानों और माल की आवाजाही बिना किसी रोक टोक के जारी रहेगी।
11. सार्वजनिक परिवहन निजी बसों, ट्रेनों के माध्यम से कोविड-19 के दिशा निर्देशों के अंतर्गत अनुमति रहेगी।
12. ऑटो, ई रिक्शा में 02 सवारी, टैक्सी तथा निजी चार पहिया वाहनों में ड्रायवर तथा दो पैसेंजरों को (मास्क के साथ) यात्रा करने की अनुमति होगी।
13. मौहल्लों / कॉलोनियों / ग्रामों में एकल दुकानें पूरे समय खोली जा सकेंगी।
14. कोल्ड स्टोरेज एवं वेयर हाउसिंग की सर्विसेज को अनुमति होगी
15. ई-कामर्स कंपनियों से तथा अत्यावश्यक वस्तुओं की दुकानों से होम डिलेवरी की अनुमति रहेगी।
16. येलो एवं ग्रीन जोन के ग्रामों में समस्त मनरेगा कार्य, ग्रामीण विकास कार्य एवं अन्य विभागों के निर्माण कार्य तथा तेन्दूपत्ता संग्रहण के कार्य कोविड- 19 महामारी की रोकथाम के सोप का पालन करते हुये जारी रखे जा सकेंगे।
17.लेबर मार्केट कोविड प्रोटोकॉल पालन की शर्त पर गोल मार्केट / सदर बाजार के स्थान पर निराला रंग बिहार मेला ग्राउण्ड परिसर चालू रहेगी।
18. थोक सब्जियों / फल / फूल के बाजार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा नियत खुले स्थानों पर चल सकेंगे।
19. एम्बुलेंस, ऑक्सीजन टैंकर्स का संपूर्ण प्रदेश में आवागमन निर्वाध रहेगा।
20. अस्पताल/नर्सिंग होम और टीकाकरण हेतु आवागमन कर रहे नागरिकों/कर्मियों को छूट रहेगी।
21. मेन्टेनेन्स सर्विस देने वाले यथा इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, कारपेंटर, मोटर मेकेनिक, आई.टी. सर्विस प्रोवाईडर आदि के आवागमन पर रोक नहीं होगी।
22. परीक्षा केन्द्र आने एवं जाने वाले परीक्षार्थी तथा परीक्षा केन्द्र एवं परीक्षा आयोजन से जुड़े कर्मी / अधिकारीगण के आवागमन पर छूट रहेगी ।
23. उपार्जन गतिविधियों पर कोई रोक नहीं होगी तथा सतत् रूप से उपार्जन संचालित किया जावेगा।
24. निजी सुरक्षा सेवाओं को अनुमति रहेगी।
25. घरेलू सेवा देने वाले यथा धोबी, ड्रायवर, हाऊस हेल्प / मेड, कुक आदि के आवागमन पर रोक नहीं होगी।
26. फायर बिग्रेड, टेली कम्यूनिकेशन, विद्युत प्रदाय, रसोई गैस, पेट्रोल / डीजल / केरोसिन टैंकर, होम डिलेवरी सेवायें दूध एकत्रीकरण / वितरण, फल-सब्जी के परिवहन, डाक एवं कोरियर सेवाओं के आवागमन में कोई बाधा नहीं होगी।
27. हवाई यात्रा से जुडे कार्यालय एवं उनसे संबंधित कर्मचारियों के आवागमन की अनुमति होगी।

परिशिष्ट - 03

प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियां

(जिले के समस्त शहरी क्षेत्रों के लिये लागू)

1. परिशिष्ट 02 के बिंदु क्रमांक 04 में अति आवश्यक वस्तुओं की दुकानों के अलावा मार्केट क्षेत्र में कपड़ा, फैंसी, कॉस्मेटिक, फुटवियर, जनरल स्टोर की दुकानें प्रातः 08.00 बजे से अपरान्ह 02.00 बजे तक एवं बर्तन, सर्राफा, फर्नीचर, स्टेशनरी की दुकानें अपरान्ह 02.00 बजे से सायं 08.00 बजे तक खोली जा सकेंगी।
2. सदर बाजार में खड़े होने वाले हाथ ठेले हॉकर्स जोन में शिफ्ट कर संचालित किये जा सकेंगे।
3. समस्त निजी कार्यालय 100 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ संचालित किये जा सकेंगे।
4. समस्त सिविल निर्माण कार्य कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुये कार्य किये जा सकेंगे।
5. समस्त रेस्टोरेंट एवं भोजनालय कुल क्षमता के 50 प्रतिशत की क्षमता में खुल सकेंगे ।
6. समस्त लॉजिग / होटल / रिसोर्ट केवल आगुन्तकों के लिये खुल सकेंगे। लॉज / होटल / रिसोर्ट के रेस्टोरेंट में बैठने की कैपेसिटी के 50 प्रतिशत की क्षमता में खुल सकेंगे।

परिशिष्ट - 04

कोविड-19 प्रोटोकाल एवं कोविड उपयुक्त व्यवहार / अनुशासन

1. राज्जीय एवं अंतर राज्जीय आवागमन निर्वाध रूप से संचालित रहेगा। अंतर राज्जीय मार्गों पर राज्य की सीमा पर प्रवेश कर रहे नागरिकों की थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था की जाना अनिवार्य होगी।
2. दुकानों / प्रतिष्ठानों में गोले बनाकर ग्राहकों के मध्य पर्याप्त दूरी सुनिश्चित कर सोशल डिस्टेसिंग का पालन किया जावे ÷नो मास्क नो सर्विस÷ अर्थात् जिस ग्राहक ने फेस मास्क नहीं पहन रखा होगा तो उसको दुकानदार द्वारा कोई सामान विक्रय नहीं किया जायेगा। दुकानदार स्वयं भी अनिवार्य रूप से मास्क का उपयोग करेंगे। यदि कोई दुकानदार ÷नो मास्क नो सर्विस प्रोटोकॉल का उल्लघंन करता पाया जाता है, तो दुकान को नियमानुसार सील करने की कार्यवाही की जायेगी।
3. अनुमत्य सामाजिक कार्यक्रमों (जैसे 10 व्यक्तियों की उपस्थिति में शवयात्रा अथवा 20 व्यक्तियों की उपस्थिति में विवाह आयोजन) में सामाजिक दूरी का पालन हो, हैण्डवॉश / सैनिटाइजेशन की व्यवस्था हो तथा सभी शामिल व्यक्ति फेस मास्क लगावें, इसे आयोजक द्वारा सुनिश्चित किया जाना आवश्यक होगा।
4. कोविड उपयुक्त व्यवहार ः

4.1 फेस मास्क फेस मास्क पहनना एक आवश्यक निवारक उपाय है। फेस मास्क पहनने में निम्न का पालन किया जाना चाहिये

अपना मास्क पहनने से पहले, साथ ही इसे उतारने से पहले और बाद में, और किसी भी समय इसे छूने के बाद अपने हाथों को साफ करें।

सुनिश्चित करें कि यह आपकी नाक, मुंह और ठुड्डी को पूरी तरह से कवर करें ।

जब आप किसी मास्क को उतारते हैं, तो उसे साफ प्लॉस्टिक बैग में स्टोर करें। कपड़े का मास्क है, तो उसे प्रतिदिन धो लें और मेडीकल मास्क को कूड़ेदान में फेंक दें।

सभी सार्वजनिक व कार्य स्थलों एवं परिवहन के दौरान फेस मास्क पहनना अनिवार्य होगा। नो मास्क नो मूवमेंट का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाये।

4.2 सामाजिक दूरी बनाये रखने के लिये जहां तक संभव हो प्रत्येक परिवार घर के अंदर ही रहें स्टे होम एवं अन्य बाहरी व्यक्तियों से मेल-जोल कम रखें सोशल डिस्टेंसिंग जिससे कोविड संक्रमण को प्रभावी रूप से रोका जा सके।

सार्वजनिक स्थानों में प्रत्येक व्यक्ति 6 फिट यानी (2 गज की दूरी) बनाये रखेगा। भीडभाड वाली जगहों, विशेषकर बाजारों, साप्ताहिक बाजारों और सार्वजनिक परिवहन में सामाजिक दूरी बनाये रखना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये महत्वपूर्ण है। कार्यस्थलों के प्रभारी व्यक्तियों द्वारा श्रमिकों / कर्मियों के बीच पर्याप्त दूरी, पारियों को बदलने में पर्याप्त अंतराल तथा लंच ब्रेक में उपयुक्त अंतराल आदि के माध्यम से सामाजिक दूरी को सुनिश्चित किया जाये।

4.3 सभी व्यक्तियों को यह सलाह दी जाती है कि वे किसी ऐसी सतह, जो सार्वजनिक संपर्क में है, को छूने के उपरांत साबुन और पानी से हाथ धोयें / सैनिटाइजर का उपयोग करें।

लहार-दबोह-मिहोना बाईपास कराने में नहीं है लहार विधायक की भूमिका:भाजपा नेता

दबोह (अर्पित गुप्ता)

लहार-दबोह-मिहोना बाईपास होने के बाद वाह वाही लूटने के लगी कॉंग्रेस ऐसे आरोप भाजपा नेता जिला कार्यकारिणी सदस्य अंजनी कुरचनियां ने अपने निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में कॉंग्रेस पर लगाए।उन्होंने बताया की लहार-दबोह और मिहोना रोड वाईपास कराने में भाजपा के क्षेत्रीय नेताओ के प्रयास व हर भाजपा कार्यकर्ता की मांग पर हुआ है।उन्होंने कॉंग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीते रोज कॉंग्रेस के पदाधिकारी द्वारा वाईपास को स्वीक्रत कराने में लहार विधायक की बड़ी भूमिका बताई गई जो सरासर झूठ है।उन्होंने कॉंग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरा प्रदेश जनता है कि कॉंग्रेस पार्टी का महल सिर्फ झूठ की बुनियाद पर खड़ा हुआ है।उन्होंने कॉंग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर कॉंग्रेस विकास की बात कर रही है तो आखिर उन्होंने दबोह को तुड़वाया ही क्यों था।और अगर ऐसे नेता विकास की बात करे तो उनके मुंह से यह बातें अच्छी नही लगती।इसी के साथ भाजपा नेता ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी को धन्यवाद दिया।

विधायक ने लहार क्षेत्र को विकास के नाम पर क्या दिया-भाजपा नेता अंजनी कुरचनियां ने पूर्व मंत्री व लहार विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि कॉंग्रेस सरकार में जो विकास की बात करते हैं लोग जिनके नारे लगाते हैं की धरती का आकाश का नाम विकास का तो आखिर उन्होंने लगभग 31 वर्ष विधायक रहने के बाद लगभग 6 साल मंत्री रहने के बाद विकास के नाम पर उन्होंने लहार क्षेत्र को क्या दिया।उन्होने कहा कि अगर एक भी उपलब्धि उन्होंने की हो तो बताएं।इसी क्रम में उन्होंने कहा कि जो विकास लहार क्षेत्र का 31 सालों में नही हो पाया वो लोग आज विकास की वाह वाही लूट रहे हैं।

खण्डहर में तब्दील हुआ दबोह तो पीड़ितों का दर्द सुनने नही आये भाजपा नेता-बीते वर्ष पहले हरे भरे दबोह को खण्डहर में तब्दील करने के बाद भाजपा का कोई भी नेता दबोह में न तो उस पीड़ित परिवार का दुख सुनने पहुंचा जिसने वर्षो की मेहनत से अपने छोटे से घरोंदे को तैयार किया था और न ही उस व्यापारी का दर्द समझा जो अपनी पीड़ा किसी को बयां नही कर पा रहा था।जिसके चलते भाजपा नेता अंजनी कुरचनियां ने कहा कि उस समय कॉंग्रेस का शासन था और तोड़फोड़ के चलते प्रशासन नेताओ को आने की अनुमति नही दे रहा था।लेकिन हमारे जो नेता थे वह निश्चित रूप से हर सम्भव प्रयास कर रहे थे लेकिन कॉंग्रेस सत्ता होने के चलते हमारी बात को दबा दिया गया था।

दबोह को खण्डहर हुए एक वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने मनाया था काला दिवस-बीते वर्ष 05 जनवरी 2020 को कॉंग्रेस शासन काल मे हरे भरे दबोह को खण्डहर में तब्दील कर दिया गया था।जिसमे अतिक्रमण के नाम पर प्रशासन ने कई पुस्तेनी मकान व दुकानो को बिना कोई पैमाइश किये हुए अनैतिक तरीके से धराशायी कर दिया

था।जिसके चलते भाजपा ने एक वर्ष पूर्ण होने के बाद काला दिवस मनाया था। इसी दिन नगर में दो जेसीबी व एक पोकलेन मशीन ने कई परिवारो के आशियाने को नगरीय प्रशासन व राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त कार्यवाही से तहस महस कर दिया था जिसके चलते दबोह नगर खंडर में तब्दील हो गया था।इस अतिक्रमण मुहिम में लगभग 250 लोगो के घरों को टारगेट किया गया था जिससे नगर मे अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया था।इस अतिक्रमण मुहिम को सौंदरीकरण कहा जाता या अधिकारियों की तानाशाही क्ूयो कि जिन जगहों पर नगर पालिका,राजस्व विभाग द्वारा जिन मकानों पर 2,3 फुट चिन्हित किये गए थे प्रशासन की तानाशाही के चलते उनके मकानों,दुकानों को पूरी तरह धवस्त कर दिया गया था लेकिन हर अधिकारी इस अतिक्रमण हटाओ मुहिम की जिम्मेदारी लेने से कतरा रहे थे।यहां बता दें कि पूर्व 05 जनवरी 2020 की सुबह 10 बजे से लहार एसडीएम ओमनारायण सिंह,एसडीओपी उपेंद्र दीक्षित अपने-अपने अमले के साथ आये और भिण्ड भांडेर रोड के पास बसे नगरवासियों के दुकानों व मकानों पर प्रशासन का कहर बर्षाना प्रारंभ कर दिया वहीं अपने-अपने मकानों व दुकानों को टूटते देख लोगो की आखों से आंसू व दिलो से बददुआएं निकलने लगी थी।साथ ही जब अधिकारियों से इस योजना के बारे में बातचीत कर कुछ पूछने या जानने की कोशिश की गयी थी कि यह अतिक्रमण किस आधार पर,कैसे और किस-किस दुकानदार या मकान मालिक का कितना-कितना मकान या दुकान अतिक्रमण में है तो प्रशासनिक अधिकारियों ने सही जानकारी ना देकर अपना पल्ला झाड़ लिया था।बड़ा सवाल तो यह है कि यदि नगर में भिण्ड भांडेर रोड पर बने मकानों व दुकानों में अतिक्रमण था तो स्थानीय प्रशासन ने इन्हें सरकारी जमीन पर मकान या दुकान बनाने की अनुमति कैसे व क्ूयो दी थी।इतना ही नही नगर के भिण्ड भांडेर रोड पर पूर्व में भी सन 2001 में प्रशासन के द्वारा इन्ही जगहों पर लगभग 10-10 फुट अतिक्रमण हटवाया गया था तो प्रशासन ने नगरीय अतिक्रमण को पहले से ही पूर्ण रूप से क्ूयो खत्म नही किया साथ ही यहां बता दें कि अतिक्रमण हटाओ मुहिम के चलते दबोह नगर परिषद ने व्यापारियों को अतिक्रमण सम्बन्धी नोटिस 03 जनवरी 2020 को जारी किये थे परंतु दुकान व मकान मालिकों को यह नोटिस 4 जनवरी 2020 को रात में आठ बजे दिये गये थे।इसके अनुसार जनता को 24 घण्टे का समय दिया गया था परंतु सही मायने में व्यक्ति को सामान हटाने के लिये सिर्फ और सिर्फ रात के अंधेरे के 12 घंटे का ही समय दिया गया था।यहाँ बता दे कि शासन के नियमानुसार किसी प्रकार के नोटिस में तीन या सात दिन का समय दिया जाता है लेकिन यहाँ नगर परिषद ने जनता को मात्र 24 घण्टे का समय दिया गया था।

दबोह को खण्डहर करने में शामिल अधिकारियो पर कब गिरेगी गाज..?-यहां बता दे कि हरे भरे दबोह को खण्डहर में तब्दील करने में कॉंग्रेस शासन काल मे प्रशासनिक अधिकारियो ने भी जनता के साथ जातीय की थी जिसके चलते काला दिवस मनाने में दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक रसाल सिंह ने अपने सम्बोधन में उन प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्यवाही कराने की बात कही थी।उन्होंने कहा था कि कॉंग्रेस के शासन काल मे दबोह की भोली भाली जनता के साथ कॉंग्रेस सरकार के इशारे पर प्रशासन के द्वारा जो अत्याचार किया गया था उसका माकूल जबाब दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस कृत्य में जो भी अधिकारी कर्मचारी लिप्त थे उन्हें किसी भी कीमत पर बक्शा नही जाएगा दबोह की सारी घटना को लेकर पार्टी नेतृत्व बता कर जिम्मेदारो को उचित दंड दिलवाया जाएगा।परंतु अब तक उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की गई।

नगर में चोरों का आतंक, गल्ले की दुकान से 8 क्विंटल तिली हुई चोरी

स्थानीय पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के चलते सक्रिय हुए चोर

दबोह(अर्पित गुप्ता)

कोरोना के चलते व्यापारी वैसे ही सरकार और कोरोना की मार झेल रहा था तो वहीं इसी बीच चोरो से भी व्यापारी परेशान है। दरअसल मामला भिंड जिले के लहार अनुभाग के थाना दबोह का है जहां पर बीते कुछ दिनों में पुलिस की निष्क्रियता के चलते चोरो के हौशले आसमान छू रहे हैं।जिज़्के चलते चोरो में बीती रात फुटकर गल्ले की दुकान से तिली की चोरी कर डाली।दरअसल फरियादी दिनेश गुप्ता अपनी फुटकर गल्ले की दुकान विधुत विभाग के पास खोले हैं।जिसके गोदाम से बीती रात चोरों ने 8 क्विंटल तिली चोरी कर ली।फरियादी ने बताया कि बीते 6 मई को भी फ़रियादी कि दुकान से ताला तोड़कर गुल्लक की चोरी की गई थी जिसमे लगभग 5500 रुपये की नगदी थी।फरियादी दिनेश गुप्ता ने बताया कि बीती रात चोरी हुई तिली की कीमत लगभग 60,000 रुपये बताई गई है।फिलहाल तो फरियादी दिनेश गुप्ता ने सुबह चोरी की घटना की जानकारी थाना पुलिस दबोह को दी जिसके बाद पुलिस ने मौके पे पहुंच कर मुआयना किया।तदोपरांत फ़रियादी ने थाना दबोह में एक शिकायती आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

कोरोनाकाल मे बीते रोज भी हुई चोरी पर पुलिस नही लगा सकी कोई सुराग-यहां बताना मुनासिब होगा कि वैसे तो कोरोना काल मे लगातार पुलिसिंग हो रही है और फिर सवाल यह नही उठ रहा है कि लगातार पुलिसिंग होने के बाबजूद भी मुख्य मार्ग पर दुकानों के ताले टूटना यह साबित कर रहा है कि कमी पुलिसिंग व्यवस्था में है।दरअसल कोरोना काल मे मई के ही महीने में चोरो ने 4 दिनों में 3 जगह चोरो ने अपना धावा बोला था।जिसमे से गल्ला मंडी कोंच रोड पर गल्ले की दुकान के चोरो ने ताले चटकाए जिसमे लगभग 4000 रुपये की चोरी हुई और चोर दुकान की गुल्लक को पास में ही कोंच रोड पर शासकीय विधालय की भूमि पर खाली कर छोड़ गए थे।तो वहीं दूसरी चोरी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के पास किराने की दुकान में हुई जिसमे चोर सिर्फ दुकान के ताले ही चटक पाए थे जिसकी वजह से एक बड़ी चोरी होते होते बची थी।इसी क्रम में तीसरी चोरी थाने के पास ही मुख्य मार्ग स्तिथ नगर के प्रसिद्ध मंदिर माँ छिन्न मस्ता देवी पर हुई जहां पर चोरो ने बीती रात मन्दिर परिसर का साइड वाला दरवाजा तोड़ कर मन्दिर की तिजोरी पर हाथ साफ कर दिया था।मन्दिर पुजारी कृष्ण दत्त मिश्रा ने बताया था कि मन्दिर की तिजोरी से लगभग 2000 रुपये की चोरी चोरो ने की है साथ ही मन्दिर की तिजोरी थाने के पीछे स्वयं प्रभा विद्यालय के पास पड़ी मिली थी।जिसकी जानकारी वार्डवासियों ने मन्दिर के पुजारी को दी थी।जिसके बाद पुजारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।यह विचारणीय बात है कि चार दिन में मुख्य मार्ग पर ही 3 जगह चोरी होना एक चिंता का विषय है।और फिर लगातार चोरियां होने का बाद पुलिस अब तक भी कोई सक्रिय नही हुई और क्यों अब तक चोरो को पकड़ने में नाकामयाब रही।फिलहाल तो इतना कहना होगा कि दबोह पुलिस अगर नगर के नामदर्ज चोरो को पकड़ कर उनसे पूछताछ करे तो बेशक ही नगर में हुई चोरियों का बड़ा खुलासा हो सकता है।

व्यापार मंडल धर्मशाला में माधवराव सेवा मिशन वेक्सिनेशन सेंटर का हुआ शुभारम्भ

कोविड प्रभारी मंत्री, जिला कलेक्टर,एसपी ने किया निरीक्षण,लगी पत्रकार सहित नागरिकों को वैक्सीन

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर

भिण्ड। शहर में पूर्व से संचालित कैलाशवासी माधवराव सिंधिया आइसोलेशन सेंटर पर मोदी सरकार के सफलतम 7 वर्ष पूर्ण होने एवं भारतीय जनता पार्टी के चलाये जा रहे देशव्यापी विशाल अभियान सेवा की संकल्प के तहत आज दिन सोमवार को कैप्टन माधवराव सिंधिया सेवा मिशन के तत्वाधान में उक्त सेंटर पर टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन किया गया। माधवराव सेवा मिशन के संयोजक डॉ रमेश दुबे ने बताया कि कोरोना संक्रमण दर में व्यापक कमी आने के बाद देश मे तीसरी लहर आने का भय जनता में व्याप्त हो रहा है ऐसे में जनता की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए कोरोना के खात्मे के लिए टीकाकरण बहुत आवश्यक हो गया था,इसी को ध्यान में रखते हुए हम सभी ने कैलाशवासी श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी की याद में उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए मोदी सरकार के ऐतिहासिक एवं सफलतम 7 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में सेवा ही संकल्प अभियान के तहत अब तक आइसोलेशन सेंटर के रूप में जिले की सेवा कर रहे सेंटर को वेक्सिनेशन सेंटर में बदला गया है। वेक्सिनेशन सेंटर पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिले के कोविड प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया, जिला कलेक्टर सतीश कुमार एस, जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह एवं सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा के द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमें सभी व्यवस्थाएं बहुत ही सुगम एवं व्यवस्थित पाई गई। कोविड प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने कहा कि इस आपात समय मे शहर में इतने दिन तक आइसोलेशन सेंटर संचालित करने के बाद अब वेक्सिनेशन सेंटर संचालित करने के लिए डॉ रमेश दुबे जी एवं सभी कार्यकर्ता साधुवाद के पात्र हैं, यही जनसेवा जनता के हितार्थ कहलाई जा सकती है।

पत्रकार बन्धुओं एवं केमिस्ट व्यापारियों को लगी वैक्सीन-इस अवसर पर जिले के सभी पत्रकार बन्धुओं,उनके परिजनों एवं दवा व्यापारियों को स्पॉट पर ही रजिस्ट्रेशन उपरांत वैक्सीन लगाई गई। इस अवसर पर आम जनता ने भी काफी ऊर्जा के साथ बढ़ चढ़कर वेक्सिनेशन कराया। आज के टीकाकरण में लगभग 450 लोगों ने वैक्सीन लगवाई। इस अवसर पर रामदास सोनी एडवोकेट, अनिल कटारे, डॉ तरुण शर्मा,राहुल भारद्वाज, अनिल दुबे, कुलदीप राजावत, भूरे गुबरेले, विकास शर्मा, पंडित लटूरी शर्मा, राजीव दीक्षित, देवेंद्र सिंह गौर, मनीष दुबे आदि समाजसेवी उपस्थित रहे।

विकलांग बल जिला इकाई श्योपुर ने जिलाधीश के नाम पेंशन को लेकर तहसीलदार रजनी बघेल को सौपा ज्ञापन

श्योपुर। विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई श्योपुर द्वारा आज विकलांग पेंशन और वृद्ध पेंशन को लेकर जिलाधीश राकेश कुमार श्रीवास्तव के नाम तहसीलदार रजनी बघेल को चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा है जिसमें विकलांगजनों एवं वृद्ध पेंशन समय पर न मिलने के कारण बेंको में विकलांगों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है श्योपुर जिले में कई ऐसे विकलांगजन एवं वृद्धजन है जिनकी सामाजिक सुरक्षा पेंशन आज तक जारी नही हुई है और जिन विकलांग हितग्राही को पेंशन मिलती है यह भी उन्हें समय पर नही मिल रही है जिसमें कोविड 19 को विकलांगों एवं वृद्ध अवस्था वाले हितग्राहियो का एक सहारा पेंशन ही है वो भी उन्हें समय पर नही मिलती है तो भारी समस्याओ का सामना व दो रोटी खाने का भी संकट हो जाता है विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई श्योपुर माननीय जिलाधीश महोदय से विशेष निवेदन करता है की बेंको में किसानों की भीड़ अधिक होने के कारण बैंक

विकलांगों को पेंशन वितरित नही कर रही है बेंको द्वारा हमें दो दिन चिन्हित करके कोविड 19 के संकट में समय पर पेंशन दी जाये ! बेंको में विकलांग पेंशन हर माह की दिनांक 5 से 15 तारीख के बीच में ही पेंशन का भुगतान किया जाये ! बेंको में विकलांग जन एवं वृद्धजन का अलग से एक काउंटर हो जिससे विकलांगों को पेंशन जल्दी मिल जाये क्योंकि अधिकतर देखा गया है की बैंक में विकलांग भाई बहन सुबह 10 बजे पेंशन लेने जाते है तो बेंको द्वारा उन्हें शाम 4 बजे तक पेंशन प्रदान की जाती है ! कोविड 19 के समय में विकलांगों एवं वृद्धजनों को पेंशन राजस्थान राज्य की तरह सभी हितग्राहियो को पेंशन पोस्ट ऑफिस के माध्यम से घर पर भेजी जाये जिससे बेंको में होने वाली असुविधा से भी बचा जाये व संक्रमण का भी डर न हो ! अतः श्रीमान जी से विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई श्योपुर आपसे विशेष निवेदन करता है कि विकलांगजनों की पेंशन सम्बन्धी समस्याओ का जल्द से जल्द धरातल स्तर पर निराकरण करने की कार्यवाही की जाये ! विकलांग हित में ज्ञापन देने वाले विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक, चम्बल संभागीय सचिव अफसार अहमद, श्योपुर जिलाध्यक्ष किशन खंडेलवाल मौजूद रहे !

पाल बघेल समाज ने मनाई लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जयंती

गोहद-लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 296 भी राष्ट्रीय जयंती पाल बघेल समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जहां पाल बघेल समाज के पदाधिकारियों द्वारा लोक माता की चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं डॉक्टरों को सम्मानित किया गया साथ ही अस्पताल में फल एवं मास्क वितरण किया गया एवं डॉ आलोक शर्मा बीएमओ को सम्मानित किया गया इसमें मुख्य रूप से अखिल भारतीय पाल महासभा के अध्यक्ष टिंकू बघेल प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन पाल, विष्णु बघेल दीपक बघेल कमल सिंह तोमर धर्मेंद्र सिंह गुर्जर जवान सिंह गुर्जर राजा राम बघेल कृष्णा बघेल राजेंद्र परिहार फूल सिंह बघेल राजवीर बघेल उमेश ब्रह्मजीत फौजी प्रेम नारायण पाल सहायक सचिव परमाल बघेल अरविंद बघेल सुरेंद्र बघेल आदि लगभग 2 दर्जन से अधिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोरोना काल में विहान सीएससी ग्वालियर ने की 30-40 पीड़ितों की मदद

उमाकान्त शर्मा भिण्ड

भिंड। संकल्प समाजसेवी संस्था ग्वालियर द्वारा विहान सीएससी का संचालन गुजरात नेटवर्क के सहयोग से हो रहा है जो कि के साथ जी रहे लोगों के लिए कार्य करती है कोरोना महामारी के कारण भिंड मेहगांव,मिहोना,लहार,अटेर व जिले के विभिन्न गांवों के आसपास के कुछ ऐसे पीड़ित व्यक्ति थे। जो लॉकडॉउन के कारण संसाधनो के आभाव में एवं आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण अपनी दवाई लेने ग्वालियर ए आर टी केंद्र या लिंक ए आर टी केंद्र नही आ पा रहे थे ऐसे लोगो के लिए विहान सीएससी के ह्त्रङ्ख ऋषि शर्मा द्वारा ढ्ढष्टञ्जष्ट सेंटर भिंड व ए आर टी सेंटर ग्वालियर सामंजस बनाकर एवं दवाइयां प्राप्त करके अभी तक 35-40 लोगो को उनके घरों पर पहुँचकर एवं कुछ पीड़ितों को उनके गांव से ब्लॉक में बुलाकर उन्हें दवाइयां प्रदान की गई। तथा उन्हें कोविड-19 के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई और उन्हें

सोसल डिस्टेंस मेंटेन व मास्क का निरंतर उपयोग करने के लिए आग्रह किया गया एवं नियमित रूप से दवाई लेने के लिए कॉउंसलिंग की गई एवं बताया कि अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले व बिना मास्क एवं सेनेटाइजर के घर से बाहर बिल्कुल न निकले इस हेतु प्रेरित किया गया विहान सीएससी की खास बात ये है कि पीड़ितों के होम विजिट करते समय केवल पीड़ित व्यक्ति से ही खुलकर चर्चा करते है उनकी गोपनीयता रखने के लिए पीड़ितों की मर्जी बिना घर वालो को भी पता नही चलने देते क्योकि गोपनीयता भंग करने से पीड़ितों की मानसिक स्थिति खराब हो जाती है ऋषि शर्मा द्वारा किए गए ऐसे कार्य के लिए संस्था के सचिव संदेश बंसल एवं परियोजना प्रबंधक जुगल शर्मा, सहित ए आर टी ग्वालियर एवं विहान सीएससी के समस्त स्टाफ व अन्य समाज बंधुओं ने शुभकामनाए दी ऋषि ने बताया कि संकट की घड़ी में यदि हम मानवता नही दिखाएंगे तो जीवन व्यर्थ है। हम सभी ऐसे योद्धाओं को सलाम करते है।

संपादकीय

लापरवाही का टीका

इस वक्त जब कोरोना की शृंखला तोड़ने के लिए टीकाकरण अभियान में तेजी लाने पर जोर दिया जा रहा है और अपेक्षा की जा रही है कि इसमें चिकित्साकर्मी सक्रिय योगदान देंगे, तब इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही स्वाभाविक रूप से ध्यान खींचती है। पिछले कुछ दिनों से कोरोना की जंग में फिसड्डी साबित होने को लेकर उत्तर प्रदेश पर लगातार अंगुलियां उठती रही हैं। मगर वहां के स्वास्थ्यकर्मी अपने कामकाज के तरीके में सुधार लाने के बजाय जैसे पुरानी रौ में ही चलते रहे हैं।

इसी का ताजा उदाहरण सिद्धार्थनगर के एक टीकाकरण केंद्र पर पहली खुराक में कोविशील्ड लगवा चुके बीस लोगों को दूसरी खुराक के रूप में कोवैक्सीन लगा देने का मामला है। गनीमत है कि इनमें से सभी लोग स्वस्थ हैं, उन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया है। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि टीकाकरण केंद्र पर तैनात कर्मचारियों से यह लापरवाही हुई कैसे। पिछले महीने शामली में भी तीन महिलाओं को कोरोना टीके की जगह कुत्ते के काटने पर लगाया जाने वाला एंटी रैबीज टीका लगा दिया गया। तब उस मामले पर लीपापोती करके रफा-दफा कर दिया गया था।

कोरोना का टीका लगवाने के बाद लोगों को एक पर्चा दिया जाता है, जिस पर टीके का विवरण दर्ज होता है। दूसरी खुराक लेते वक्त वह पर्चा चिकित्साकर्मियों को दिखाना पड़ता है, ताकि उन्हें अंदाजा लग सके कि पहले उन्होंने कौन-सा टीका लिया था। नियमतः टीके की दोनों खुराक एक ही कंपनी की लेनी होती है। मगर हैरानी की बात है कि सिद्धार्थनगर के जिस केंद्र पर बीस लोगों को अलग टीके लगा दिए गए, उसमें इस बात का ध्यान क्यों नहीं रखा गया। ऐसा नहीं माना जा सकता कि वहां तैनात कर्मियों को टीकाकरण संबंधी नियमों की जानकारी न रही हो।

शामली के मामले में जब तीन महिलाओं को एंटी रैबीज टीका लगा दिया गया, तब प्रशासन ने तर्क दिया था कि महिलाएं गलती से कोरोना के बजाय एंटी रैबीज केंद्र में पहुंच गई होंगी। मगर कोविशील्ड और कोवैक्सीन को लेकर वही तर्क नहीं दिया जा सकता। यह एक सामान्य बात है कि जब भी कोई व्यक्ति टीका लगवाने पहुंचता है तो वहां तैनात कर्मचारी उसका विवरण दर्ज करते हैं। उससे पहली खुराक के बारे में जानकारी लेते हैं। फिर ऐसा कैसे हुआ कि बीस में से एक भी व्यक्ति से ऐसी जानकारी लिए बिना टीकाकरण कर दिया गया।

यह समझना मुश्किल नहीं है कि सरकारी अस्पतालों, खासकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जिस तरह स्वास्थ्यकर्मी इलाज वगैरह के मामले में लापरवाही और मनमानी करते देखे जाते हैं, उनकी वही आदत टीकाकरण के मामले में भी प्रकट हुई। ज्यादा संभावना इसी बात की है कि उस केंद्र के स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी तरफ से तर्क गढ़ लिया होगा कि दोनों टीके चूंकि कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए ही लगाए जा रहे हैं, तो कोई भी लगा दो, क्या फर्क पड़ता है।

ऐसे ही तर्कों के आधार पर कई जगह पशुओं की दवाइयां आदमियों को देने के मामले भी उजागर हो चुके हैं। कोरोना टीके को लेकर अब भी बहुत सारे ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी समुदायों आदि में भ्रम की स्थिति है, उससे पार पाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ऐसे में कुछ चिकित्सा कर्मियों की मनमानी और लापरवाही इस अभियान में और बाधा खड़ी कर सकता है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि इस तरह गलती से अगर टीकों का मिश्रण हो भी जाए, तो उससे लोगों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मोदी मैजिक का परीक्षा वर्ष

कृपया याद करें। दो साल पहले आज के दिन पूरा देश मानो 'मोदी मैजिक' में डूब-उतरा रहा था। शाम को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में शपथ लेते समय उनका आत्मविश्वास देखने लायक था। वजह? 2014 के मुकाबले अधिक सीटें हासिल कर भाजपा राजग सहयोगियों के बिना भी हुकूमत चलाने में सक्षम थी। यह पहला भाजपा मंत्रिमंडल था, जिसमें 'स्वास्थ्य कारणों' से सुषमा स्वराज नहीं थीं। कल तक गृह मंत्री रहे राजनाथ सिंह रक्षा मंत्रालय संभालने जा रहे थे। उनकी जगह अमित शाह ने ले ली थी। तय था, आने वाले दिन आतिशी होने वाले हैं। अगले कुछ महीनों तक ऐसा लगा, जैसे कोई रन-पिपासु बल्लेबाज मैदान के कोने-कोने पर छक्कों और चौकों की बारिश कर रहा है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को दो हिस्सों में बांट दिया गया। देश के नक्शे में लद्दाख नाम का एक नया केंद्र शासित प्रांत उदित हो चुका था और जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा भी अतीत बन गया था। इससे पहले तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। अयोध्या में मंदिर-निर्माण का शिलान्यास सहित ये कुछ ऐसे फैसले थे, जिन पर भारतीय जनता पार्टी बरसों से बस घोषणाएं करती आई थी। नरेंद्र मोदी ने उन्हें अमलीजामा पहना दिया था। इसके साथ, उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर भी 2024 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा। सरकारी बैंकों का डूबता कर्ज इसमें बड़ी बाधा था, लिहाजा 19 बैंकों का विलय कर चार बड़े बैंक बनाने का एलान किया गया। किसानों के कड़े प्रतिरोध के बावजूद कृषि उत्पाद खरीदी के कानून बदल दिए गए। पिछली पहली फरवरी को पेश सालाना बजट में सरकारी उपक्रमों के निजीकरण का रास्ता भी हमवार कर दिया गया। साफ था, मोदी मन मुआफिक आर्थिक सुधारों के लिए हर हाल में प्रतिबद्ध हैं। सब कुछ योजनानुसार चल रहा था, पर किसने सोचा था कि चीन में कहर मचा रहा कोरोना क्रूर दृष्टि से भारत को घूर रहा है? इसी महामारी के कारण आज जब प्रधानमंत्री अपने दूसरे कार्यकाल के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तब उनके चारों ओर चुनौतियों की विशाल चट्टानें खड़ी हैं। अगर हम तीसरे साल की तीन सबसे बड़ी चुनौतियों का आकलन करें, तो कोरोना अपनी निर्मम भयावहता के साथ सबसे आगे खड़ा नजर आता है। अब तक इस महारोग से भारत में आधिकारिक तौर पर 3,22,512 लोग मर चुके हैं। विपक्ष और कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि मरने वालों की तादाद इससे कहीं ज्यादा है। इन भयावह आंकड़ों के बीच विशेषज्ञ चेतावनी देते नजर आते हैं कि अभी तीसरी लहर आनी शेष है। वे यह भी कहते हैं कि अगर देश की 70 से 80 फीसदी आबादी को तत्काल प्रतिरोधी टीके नहीं लगे, तो ऐसी लहरें आगे भी आती रहेंगी। सरकार का दावा है कि दिसंबर तक सभी लोगों को टीका लगा दिया जाएगा, पर अभी तक सभी इंतजाम नाकाफी साबित हुए हैं। 18 या उससे अधिक वर्ष के समस्त नागरिकों के टीकाकरण की घोषणा तो कर दी गई, परंतु सैकड़ों की संख्या में टीकाकरण केंद्र बंद पड़े हैं। उन्हें कब इन प्राणरक्षक बूंदों की आपूर्ति होगी, इसका सटीक जवाब किसी के पास नहीं है। तमाम सूबाई सरकारें इसके विरोध में मुखर हैं। उनका आरोप है, सरकार ने सियासी लाभ के लिए महामारी के खतरे की अनदेखी की। महामारियां देर-सबेर बीत जाती हैं, पर उनके दिए जख्म गहरे होते हैं। भारत की माली हालत पर इसने अभी से गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, पिछली 23 मई को खत्म हुए सप्ताह में ग्रामीण बेरोजगारी दर 13.5 फीसदी पहुंच गई। यह कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि 9 मई को यह आंकड़ा 7.29 फीसदी था। शहरों में बेरोजगारी दर 17.4 फीसदी पाई गई और राष्ट्रीय बेरोजगारी दर भी नए सोपान चढ़ती हुई 14.7 फीसदी पर पहुंच गई। अगर लॉकडाउन जल्दी नहीं खत्म हुए, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। आंशिक लॉकडाउन और स्वास्थ्य खर्चों के चलते भारत के 'महान मध्यवर्ग' से 23 करोड़ लोग फिर से गरीबी रेखा के नीचे जाने को अभिशप्त हुए हैं। तय है, मोदी को देशवासियों की प्राण-रक्षा के साथ बिगड़ती माली हालत को भी पटरी पर लौटाना होगा। इसी मुकाम पर उनकी दूसरी सबसे बड़ी दिक्कत शुरू होती है। अगले वर्ष यानी 2022 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं।

ज़िन्दगी

जिंदगी मुझे ना जाने क्या सीखा रही है....
हंसाती है कभी तो कभी रुला रही है!
टूट चुकी हूँ ज़िन्दगी के इम्तिहान देते देते...
या शायद अपने आंसुओं को पीते - पीते!
क्यों ना पा सकी मैं जो पाना चाहती थी....
और पाया भी तो वो जो मैं कभी नही चाहती थी!
चाहती हूँ मैं ज़िन्दगी से कुछ सवाल पूछना...
लेकिन उन सवालों को सोचकर ही आ जाता है रोना!
इस ज़िन्दगी से मैं इतना तो सीख गई...
न दिखाना अपने आंसू और वही गलती मुझसे हो गई!
इस गलती की सजा आज भी भुगत रही हूँ मैं....
ज़िन्दगी उड़ा रही है मज़ाक और रों रही हूँ मैं!

पिंकी गोयल
स्टेशन रोड़, जिला श्योपुर

वृध्धाश्रम समाज का सबसे बड़ा कलंक है

गुनहगार की तरह अपने ही बच्चों को जन्म देने की सज़ा काट रहे होते है माँ-बाप उस वृध्धाश्रम नाम की जेल में। क्या महसूस करते होंगे वो बुढ़े मन सिर्फ़ सोचकर ही आँखें नम हो जाती है। कोई कैसे द्रोह कर सकता है उस पिता का जिस पिता ने तुम्हारी जीत के लिए अपना सबकुछ हारा हो, और जिस माँ को तुमने हर बार हर मुश्किल पर पुकारा हो। बच्चें माँ-बाप के लिए जान से ज़्यादा किंमती जेवर जैसे होते है। बच्चों की एक आह और तकलीफ़ पर कलेजा कट जाता है माँ-बाप का। बच्चे का रोना सौ मौत मारता है माँ बाप को। बच्चों की जरूरतों पर अपने हर शौक़ कुर्बान करने वाले माँ-बाप के प्रति फ़र्ज़ न निभा पाओ न सही, पर बुढ़ापे में वृध्धाश्रम की दहलीज़ पर छोड़ आना हरगिज़ लाज़मी नहीं। माँ-बाप है तो तुम हो। बच्चें के जन्म पर खुद को पूरा महसूस करते है माँ-बाप। अपने सपने, अपनी खुशी और अपना भविष्य बच्चों की हथेलियों पर रख देते है। जो खुद नहीं पा सकें वो सब अपने बच्चों को देने की कोशिश में उम्र बिता देते है। एक पिता का दिल बड़ा नाज़ुक होता है, बच्चों की हर ज़िद्द के आगे नर्म टहनी सा झुक जाता है। बच्चों के सपने पूरे करने की चाह में पसीजते कब उम्र निकल जाती है पता ही नहीं चलता। हैसियत से ज़्यादा देने की कोशिश में रीढ़ टेढ़ी हो जाती है बाप की। माँ की जवानी बीत जाती है बच्चों को पालने और लंगोट बदलते रतजगे करने में। माँ दो साड़ी में दो साल काट लेती है, पर बच्चों के शौक़ को जीवंत रखती है। घर खर्च में से पाई-पाई जोड़कर बच्चों की मांगें पूरी करते कब बालों में चाँदी भर लेती है पता ही नहीं चलता। आसान नहीं बच्चों को जन्म से लेकर पच्चीस तीस सालों तक जतन से पालना। तन, मन, धन से निःस्वार्थ अपना कर्तव्य निभाते माँ-बाप की दुनिया बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। कोई चाह नहीं, कोई आस नहीं बच्चों की खुशी के सिवा कोई मोह नहीं। बच्चों की बात पर हाँ में हाँ मिलाते जायज़, नाजायज़ हर मांग खुशी-खुशी पूरी करने में एक अतृप्त आनंद महसूस करते है। उम्र का आधा हिस्सा बच्चों के लालन-पालन में गुज़ारने वाले माँ-बाप को इतना तो हक है कि ज़िंदगी का आख़री पड़ाव पोते-पौतियों को खिलाते बेटे-बहू और घर-परिवार के सानिध्य में बिताएं। आपको ज़िंदगी देकर शानो शौकत से पालने वाले माँ-बाप आज भी कोई उम्मीद नहीं रखते। बस ज़रा उनके पास बैठो, उनकी जरूरत पूछो, माँ पापा खाना खाया? दवाई ली? तबियत कैसी है, बस आपकी ये चंद बातें और परवाह बुढ़े तन में प्राण फूंकने का काम करेगी। बेरुख़ी से बात करना, माँ बाप को बोझ समझना और वृध्धाश्रम की खाक छानने छोड़ देना उनको जीते जी मार ड़ालेगा। याद रखिए बूढ़ा एक दिन सबको होना है। माँ बाप के प्रति आपका बर्ताव आपके बच्चें देखते ही होंगे, आपको अपना बुढ़ापा सुरक्षित रखने के लिए ही सही माँ-बाप को प्यार से रखना चाहिए। बाकी तो अपनी खाल के जूते बनवाकर पहनाओगे तब भी माँ बाप के अहसानों का बदला नहीं चुका पाओगे।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु) सभावु

परिस्थितियों अनुसार थोड़ा झुकना, तालमेल बैठाना, भूल स्वीकार करना गम खाना, जिंदगी को बहुत आसान, आनंदित करने का मूल मंत्र

गोंदिया – वैश्विक रूप से मानव जीवन में हम देखें तो अधिकतम मनुष्य की प्रवृत्ति होती है कि वह सबकुछ अर्जित करना चाहता है। मैं और सभकुछ मेरा, यह स्वाभाविक रूप से मानव जीवन का एक संकल्प है। आज इस मानव जीवन के दौर में और वह प्राप्त भी कर रहा है। मानव का यह स्वभाव है कि आज वह आधुनिक जीवन, सारी विलासितापूर्ण सुख सुविधाओं आराम देह जिंदगी को अपनी पहली पसंद बताना चाहेगा। स्वाभाविक रूप से आज के युग में यह ठीक भी है।....बात अगर हम भारतीय अपने हमारे, बड़े बुजुर्गों की करें तो आज के युग में उनकी एक एक बात, वाणी, बोल, अनमोल हीरे की तरह हम अपनी जिंदगी में महसूस भी करते हैं। बुजुर्गों की वाणी है कि,जीवन एक चक्र की तरह घूमता रहता है, उस चक्र में सुख-दुख, विपत्तियां, परेशानीयां, खुशीयां, अमीरी गरीबी इत्यादि अनेक हिस्सों से मिलाकर वह जीवन चक्र बनता है और करीब-करीब हर व्यक्ति या पीढ़ी के जीवन में इस जीवन चक्र के हर पार्ट आते ही हैं। मैंने स्वयं अपनी पीढ़ी में इस जीवन चक्र के हिस्से देखे हैं और मुझे विश्वास है कि करीब करीब सभी ने जो उम्र में 50 प्लस, 60 प्लस, 70 प्लस, होंगे उन्होंने तो जरूर देखें होंगे।...बात अगर हम भारतीय नागरिक के उपरोक्त जीवन चक्र की करें तो भारत माता की मिट्टी ही संस्कारों से ओतप्रोत है, भारत में जन्मे अधिकतम नागरिकों को जीवन चक्र की विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला कर परिस्थितियों अनुसार झुककर उससे पार पाने में महारत हासिल है। बस जरूरत है उसका जीवन में उपयोग करने का।...बात अगर हम परिस्थितियों के अनुसार थोड़ा झुकने की करें तो बड़े बुजुर्ग बुजुर्गों ने कहा है के बोलत-बोलत बड़े बिखात, याने बहसबाजी से ही परेशानियां, झगड़ा, विपरीत परिस्थितियां अपना उग्र रूप, धारण करती है। अतः हमें चाहिए कि यदि हम किसी बात में गलत हैं, या दोष हमारा है, तो हमें उसको स्वीकार कर झुकने की सामर्थता धारण करनी चाहिए। बुजुर्गों ने कहा है कि झुकने वाला ही महान कहलाता है। फलों से लदा हुआ झाड़ भी झुकता है, हर व्यक्ति फलों, फूलों से लदे वृक्ष की ओर आकर्षित होता है। उसी तरह झुक कर विपरीत परिस्थितियों को भी अनुकूल परिस्थितियां बनाने और सकारात्मकता की ओर बढ़ने का अस्त्र झुकना है।...बात अगर हम तालमेल की करें तो जीवन चक्र में अनेक परिस्थितियां ऐसी उत्पन्न होती है कि उन परिस्थितियों से समझौता करना पड़ता है। अन्यथा बहुत कष्ट, हानि, होने का अंदेशा रहता है। परंतु हम आत्मविश्वास में खोए रहते हैं कि हम सही हैं, हम गलत नहीं हो सकते। परंतु बड़े बुजुर्गों ने कहा है कि, कानों सुनी तो क्या, आंखों देखी पर भी सोच समझकर विश्वास करना चाहिए!! बिल्कुल सत्यता क्योंकि कभी-कभी ऐसा भी होता है कि जो हम अपनी आंखों से देख रहे हैं वह उस मायने में नहीं है जैसा हम उसका मूल्यांकन कर रहे हैं। इसलिए हमें उन परिस्थितियों से तालमेल करना चाहिए और संघर्ष करने वाला समय आने पर विपदा विपत्ति, बुरी परिस्थितियों, में केवल बहाने बनाना, या मेरी मुर्गी की एक टांग, वाली परिस्थिति नहीं करना चाहिए। तालमेल रूपी मंत्र को अपनाना ही समझदारी होगी उसमें जीवन को बहुत आसान और आनंदित बनाया जा सकता है।.....बात अगर हम भूल को मानने की करें तो कोई भी काम अच्छा और ठीक सोचकर क्रियान्वयन करते हैं। परंतु कुछ अज्ञानता वश हमसे कुछ भूल हो जाती है और उस क्रियान्वयन का, प्रतिकूल प्रभाव हमें देखने को मिलताहै और हम अपने व्यक्तित्व को देखकर हम उसे दूसरों पर थोपना, कथित उचित ठहराना, इत्यादि अनेक बातों की सहायता लेने की कोशिश करते हैं। परंतु यहां भी बड़े बुजुर्गों ने कहा है कि सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, अतः यदि किसी अज्ञानता वश या जानबूझकर कोई भूल हुई है तो उसे स्वीकार करना भी महानता के बराबर है और आगे ऐसी भूल नहीं करने का संकल्प लेना सोने पर सुहागा है। इसमें ऐसा करने वाले के व्यक्तित्व में निखार आता है और अपेक्षाकृत अधिक सुचारिता, व्यक्तित्व में झलकती है। वैसे भूल करने के बाद खेद प्रकट करना या सॉरी शब्द भी पश्चाताप का एक प्राथमिक व सयोगय शब्द है जो आजकल प्रचलित भी है।... बात अगर हम गम खाने की करें तो यह मंत्र सबसे कठिन और भारी है। क्योंकि आज के युग में कोई गम खाने अर्थात पीछे हटने, कुछ हानि सहन करने, त्याग करने, के मूड में नहीं होता। हर किसी की सोच यह होती है कि मैं सही हूं तो, मैं क्यों गम खाऊं या पीछे हटूं। पर यही तो सबसे ऊंची महानता है कि खुद पूरा सही होते हुए भी गम खाकर, किसी को आगे लाना, सम्मान करना, अपनी पूर्ति हो जाने पर किसी और के लिए अवसर छोड़ना, यह मंत्र अपनाने वाला मनुष्य, ईश्वर अल्लाह के तुल्य होता है। क्योंकि हम जरूर देखते हैं कि होंगे कि पशु पक्षी भी उतना ही दाना चुकते, खाते हैं, जिसमें उनका पेट भर जाए।बाकी अपने दूसरे साथियों के लिए छोड़ देते हैं। परंतु यह भी कटु सत्य है कि आज के इस युग में इस आखरी मंत्र को अपनाने, क्रियान्वयन करने में, इसकी संभावना का आंकलन करना कठिन महसूस होगा। अतः उपरोक्त पूरे विवरण का अगर हम विश्लेषण करें तो हम कह सकते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार थोड़ा झुकना, तालमेल बैठाना, भूल स्वीकार करना जिंदगी को बहुत आसान और आनंदित करने का मूल मंत्र है। अपनी गलतियों, कमियों, को स्वीकार करना अपने सुरक्षित उज्जवल भविष्य का द्वार खोलने के बराबर है।

कर विशेषज्ञ एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया महाराष्ट्र

योग

जीवन में विशेष स्थान रखता योग,
तन, मन और आत्मा को जोड़ता योग,
जब जुड़े तीनों हमें सुकून देता योग,
तंदुरुस्त हमारे जीवन को बनाता योग ।
तन के साथ मन को स्फूर्ति प्रदान करता योग,
अनेको बिमारियों का निवारण करता योग ,
ऋषि - मुनियों का अस्त्र - शस्त्र है योग ।
खुद से खुद का साक्षात्कार कराता योग,
तनाव को दूर भगाता, दुर्भावना मिटाता योग,
शुद्ध वायु शरीर को प्रदान कराता योग,
निरोगी काया हमारी रखता है योग,
शरीर को पूर्ण ऑक्सीजन पहुंचता योग,
दिल-दिमाग को सज्जन बनाता योग,
विवेकी और बुद्धिमान बनाता है योग ,
बुढ़े को भी तो जवान बना देता योग ।
तन खिला-खिला, मन खिला - खिला सदा रहता है उसका,
चेहरा सदा दमकता रहता उसका,सेहत का राज़ बताता योग,
जीवन आनंदित बनाता योग, मनुष्य जीवन की खातिर शिव ने रचा योग,
भोर वेला में जो करता प्राणायाम और योग ।
रोगी के लिए औषधि का काम भी करता योग।

प्रेम बजाज

कोरोना और विद्यालय

बिन शिक्षा है जीवन अपना ,व्यर्थ और निर्मूल
शिक्षा की सुगंध फैलाता अपना प्यारा स्कूल ।
स्कूल है बच्चोंकी प्यारी बगिया जिसमे पेड़ लगे है,
खूब सींचते हम सब मिलकर नन्हें फूल लगे हैं।
गुरुजन पेड़ की तना,मूल है,शिष्यगण शाखाएं ,
बढ़े प्यार से ,बड़े चाव से गुरुवर हमे पढ़ाएं ।
शिक्षार्थ आइए सेवार्थ जाइए है उपवन का नारा,
ज्ञान ,संस्कार के गुण हम पाते ऐसा स्कूल हमारा ।
शिक्षा की ऑक्सीजन खूब बहे ,सब बच्चे जिसको पाते,
प्राण वायु को पाकर,बच्चे ,अपने घर को जाते।
संस्कार,सभ्यता की ध्वजा पताका खूब हम फहराएं
बहुत ज्ञान सब बच्चे पाते जब बगिया में आएं ।
शिक्षा और स्वास्थ का ये उपवन ,अपना संवर रहा था
बन करअपना शिक्षक शिल्पी जीवन बदल रहा था।
इतने में कोरोना आया,लिए सर्दी ,खांसी और जुकाम।
उपवन जैसे विद्यालय में बना लियाअपना मुकाम ।

कुछ विद्यालय बंद हुए ,और कुछ हो गए फकीर ।
मकड़ी ने जाल फैलाया ,स्कूल मेंपड़ी जंजीर ।
कुछ शिक्षक बेरोजगार,हुए तो कुछ हुए बीमार,
बच्चे घरमें बंद हो गए , करके बंद किमार ।
कोरोना की मार से, उपवन में मचा हाहाकार ,
सोशल डिस्टेंसिंग से ,हो गया शिक्षा का बंटाधार ।
ऑनलाइन टीचिंग ,वर्क फ्रॉम होम है बड़ी मजबूरी
तभी हारेगा ये कोरोना जब सोसल डिस्टेंस जरूरी ।
अंत अटल सबका है भैया कोरोना तो भागेगा
उपवन में होगी हरियाली नया सवेरा आएगा।

मुल्क मंजरी
भगवत पटेल, लखनऊ

संजीव-नी

ज़माने को लग गई किसकी नज़र,
ज़माने को लग गई किसकी नज़र,
मासूम क़ातिल नज़र आने लगे हैं ।
अबोध खिखिलाते नहीं अब खुल के,
ज़माने की बंदिश से हकलाने लगे है।
सूरज भी तपने लगा है बेइंतहा,
परिंदे पंख अब फड़फडानें लगे है।
उलटी बयार सरसरा रही है ऐसी।
पेड़ों में नए पत्ते भी सूखे आने लगे है।द्य
बेरूखि का ये कैसा हो गया असर
श्रवण कुमार माँ बाप से कतराने लगे हैं।
पश्चिम का परचम फैला है इस कदर।
बच्चे देश के विदेशी कहलाने लगे है।
भूख और लाचारी सर उठाने लगी है संजीव।
अन्न दाता ही अब जहर खाने लगे हैं।

संजीव ठाकुर,
अंतरराष्ट्रीय कवि रायपुर, छत्तीसगढ़।

विधा -गीत

तू रीत की आंखों में बनकर बरसात रहेगा
तेरे साथ चली थी जब संग में, रंग गई थी तेरे ही रंग में.
वह सफर सुहाना मीत हमेशा याद रहेगा.
मेरी दिल की हर धड़कन में तु आबाद रहेगा.
नाज़ुक सी डोर बंधी दिल की,
बस गए थे तुम इन आंखों में.
ना होश मुझे दिन का साथी,
मैं डूब गई तेरी बातों में.
ना भूल सकूंगी यादों को वह याद रहेगा.
मेरे दिल की हर धड़कन में तू आबाद रहेगा.
अकुलाई सकुचाई सी मैं,
राह निहारु ओ साथी!
तुझे याद में करती हूं पल- पल,
तुझे भूल ना पाऊं ओ साथी!
तु रीत की आंखों में बनकर बरसात रहेगा.
मेरे दिल की हर धड़कन में तू आबाद रहेगा.
स्वरचित, अप्रकाशित एवं मौलिक रचना

रीता तिवारी रीत
अध्यापिका, स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री

धीर धरो हे मानव

कमलेश के कलम से
धीर धरो हे मानव पुनः तैयार होगा मैदान।
एक एक कर नए खिलाड़ी जुड़ जाएंगे इस मैदान।।
यह तो बस नियम भर खिलाड़ी बाहर होते है मैदान।
इसी तरह से चलता रहता खेल बना रहता मैदान।।
पारी दर पारी होगा स्पर्धा चलता रहेगा मैदान। खेल खेल में जीत जाएगा
जीवन के यह खेल महान।।
जीत हार के इस स्पर्धा में बस खिलाडी ही तो थकता है।
मैदान तो तठस्थ होकर सबकुछ ही सहता है।।
मैदान खड़ा नित नव स्पर्धा के लिए केवल बदलते हैं खिलाड़ी मात्र।
दर्शक दीर्घा तो वही रहता है बदलते हैं बस दर्शक मात्र।।
पक्ष विपक्ष के इस खेल में जब होता स्पर्धा खास ।
जीत हार का मजा बढ़ता है तब होता स्पर्धा खास।।
याद कहाँ रहता दर्शक को खिलाडी ने लगाया कितना दम।
कभी मैदान से जाकर पूछो उसने देखा है खिलाडी का दम।।
ऊर्जा बढ़ती हरियाली से जो मैदान के आगोश में है ।
माली के उस मेहनत का कब किसको फिकर है।।
याद रहता है बस केवल जीत का वह अंतिम गोल।
विजेता बनकर निखार जाता है खिलाड़ी का वह अंतिम गोल।।
प्रतीक्षा अब अपनी बारी की जब होगा अपने हाथों में कंदुक।
सटीक और सफल गोल कर जीत घूमना ही कंदुक।।
फिर करतल ध्वनि की शोर उठेंगे चारो ओर।
मैदान में होगी हरयाली और रंग उड़ेंगे चारो ओर।।।3

श्री कमलेश झा
नगर पारा भागलपुर

संन्यास की ओर

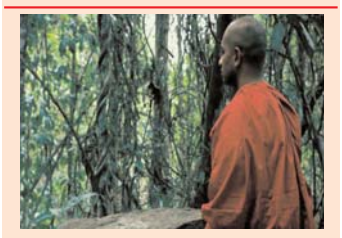

क्षणभंगुर जीवन में वासनाओं का वास है
ये तेरा,ये मेरा इससे अच्छा तो संन्यास है
चाहे कितना ही बांधे मुट्ठी में रिश्तों को
एक दिन मिट्ठी की तरह फिसलन पास है
भोला है तू प्राणी रिश्तों में सुख ढूंढ रहा है
मृगतृष्णा में तेरा गला आज सुख रहा है
कौन किसका है यहाँ पर उलझन बड़ी है
महज़ दिखावे के आगे तेरी दुनियाँ खड़ी है
जो तू कहता है कि ये मैं ही कर सकता हूं
झाँक इतिहासी शब्द मैं ही कर सकता हूं
ये शब्द आज भी धरा का धरा रह ही गया
अहम् शब्द कहने वाला आज बह ही गया
पुण्य के कार्य में भी अहम भाव भर आया
मंच बड़ा था नाम अपना बुलवा कर आया
बड़े दुःखी मन से देख रहा लाश की ओर
अब छोड़ दुनियाँ और चल संन्यास की ओर

कवि दशरथ प्रजापत
पथमेड़ा, जालोर (राजस्थान)

फिल्म 'पृथ्वीराज' को लेकर विवाद करणी सेना ने जताई आपत्ति

अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'पृथ्वीराज' भी अब विवादों में घिरती दिख रही है। फिल्म के नाम को लेकर करणी सेना ने आपत्ति जताई है। संगठन का कहना है कि इसका नाम बदला जाना चाहिए। यह फिल्म राजा पृथ्वीराज चौहान की जिंदगी और उनकी वीरता पर आधारित है। खबर के मुताबिक, करणी सेना के युवा शाखा के अध्यक्ष सुरजीत सिंह ने कहा कि 'वो फिल्म का नाम केवल 'पृथ्वीराज' कैसे रख सकते हैं जबकि फिल्म महान पृथ्वीराज चौहान की जिंदगी पर आधारित है। हम चाहते हैं कि फिल्म का नाम बदलकर उनके पूरे नाम पर रखा जाए और उन्हें सम्मान दें।'

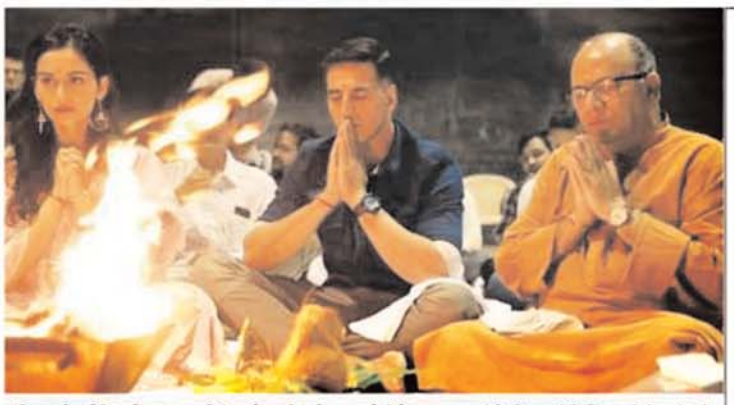

फिल्म की स्क्रीनिंग की मांग : करणी सेना की आपति यही खत्म नही होती उनका कहना है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले उन्हें दिखाया जाए। सुरजीत सिंह राठौर ने कहा कि 'अगर वो हमारी सलाह नही मानते है तो वो इसके नतीजे भुगतने के लिए भी तैयार रहें। संजय लीला भसाली की 'पद्मावत' के दौरान मेकर्स के साथ जो कुछ हुआ इस फिल्म के लिए भी तैयार रहें।'

'पद्मावत' पर मचा था हंगामा

दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर की फिल्म 'पद्मावत' को लेकर करणी सेना ने जमकर बवाल काटा था। बाद मे फिल्म का नाम 'पद्मावती' से बदलकर 'पद्मावत' कर दिया गया तब जाकर फिल्म सिनेमाघरो में रिलीज हो सकी। यशराज बैनर के तले बन रही फिल्म 'पृथ्वीराज' की शूटिंग इसी साल फरवरी में खत्म हुई है। पिछले साल लॉकडाउन के चलते इसकी शूटिंग रोक दी गई थी। बाद मे इसे पूरा किया गया। फिल्म के निर्देशक चंद्र प्रकाश द्विवेदी है। अक्षय कुमार के अलावा इसमे मानुषी छिल्लर, संजय दत्त, सोनू सूद और आशुतोष राणा की मुख्य भूमिका है। पहले यह फिल्म 13 नवंबर 2020 को रिलीज होने वाली थी। शूटिंग शेड्यूल मे देरी के चलते अब यह इस साल पांच नवंबर को रिलीज होगी।

अमिताभ बच्चन को नहीं मिल रहीं पिता हरिवंश की लिखीं कविताएं, ब्लॉग में जाहिर किया गुस्सा

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने घर में रिनोवेशन का कुछ काम करवाया है। जिसके कारण अब अमिताभ को उनके पिता हरिवंश राय बच्चन द्वारा लिखी गई कुछ कविताएं घर में मिल नहीं रही हैं। अब अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर एक पोस्ट शेयर कर पिता की कविताएं नहीं मिलने पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने पोस्ट में यह भी बताया कि उनके की ऑटोबायोग्राफी भी नहीं मिल रही है और पता नहीं अब वह कहां है। अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग में लिखा, 'मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है, क्योंकि बीते दिनों घर में रिनोवेशन का कुछ काम करवाया था। जिसके बाद अब मुझे पिता जी द्वारा लिखी गई कुछ कविताएं नहीं मिल रही हैं। वह उनकी ऑटोबायोग्राफी का हिस्सा हैं और मुझे पता नहीं अब वह कहां हैं।' अमिताभ ने आगे लिखा कि मुझे बिल्कुल भी एहसास नहीं था कि यह घटना मुझे इस कदर परेशान कर सकती है। यह एक तरह से लापरवाही है। आप किसी चीज को एक जगह कहीं रख देते हो और जब आप वापस उसे वहां ढूढ़ने जाएं, तो मिल नहीं रही हो और आप जरूरत पड़ने पर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हों। क्योंकि आप भूल गए हैं। बिग बी ने लिखा, 'कभी-कभी मैं सोचता हूं कि दस्तावेजीकरण करने की वास्तव में बहुत ज्यादा आवश्यकता और महत्व है। और फिर मैं बाबूजी के बारे में सोचता हूं....अगर वह दस्तावेज इकट्ठा नहीं करते, तो हम में से कई लोग विशेष रूप से मैं उनके विचारों, आवाज और शब्दों के बिना कहां होते।'

अमिताभ बच्चन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही अपने क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 13' से टीवी पर वापसी करने जा रहे हैं। इसके अलावा वे आने वाले समय में 'गुड बाय', 'ब्रह्मास्त्र', 'झुंड', 'चेहरे' और 'मेडे' जैसी फिल्मों दिखाई देंगे। 'गुड बाय' में अमिताभ के अलावा नीना गुप्ता भी उनके अपोजिट लीड रोल में नजर आएंगी। पहली बार नीना और अमिताभ किसी फिल्म के लिए स्क्रीन स्पेस शेयर कर रहे हैं। वही 'चेहरे' मे अमिताभ के साथ इमरान हाशमी और रिया चक्रवर्ती भी मुख्य भूमिकाओ मे है। इसके अलावा 'ब्रह्मास्त्र' मे अमिताभ के साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल मे नजर आएगे।

अभिनेता बनने से पहले बैंक में काम करते थे परेश रावल

बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल 66 साल के हो चुके हैं। उनका जन्म 30 मई, 1955 को मुंबई में हुआ था। परेश ने अपनी वर्सेटाइल एक्टिंग और मजाकिया अंदाज से देशभर में खूब नाम कमाया है। पिछले 3 दशक से परेश रावल बॉलीवुड में सक्रिय हैं। उनके जन्मदिन पर हम उनके जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातें बता रहे हैं। उन्होंने कॉमर्स से ग्रेजुएशन करने के बाद थिएटर ज्वाइन किया था। परेश रावल ने साल 1979 मिस इंडिया बनने वाली स्वरूप संपत से शादी की। ये दोनों 1975 में एक फंक्शन के दौरान पहली बार मिले थे और स्वरूप को देखते ही परेश ने उनसे शादी करने का मन बना लिया था। इसके बाद वो 12 साल तक स्वरूप के साथ रहे और फिर दोनों ने साल 1987 में शादी कर ली। इन दोनों के 2 बच्चे भी हैं। परेश की पत्नी स्वरूप को दूरदर्शन के सीरियल ये जो है जिंदगी से पहचान मिली थी। इसमें वे शफी इनामदार ने उनके अपोजिट काम किया था। ये रोल पहले परेश रावल को मिला था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया और फिर शफी इनामदार ने यह रोल किया। यह शो काफी पॉपुलर भी रहा था। स्वरूप और शफी के अलावा इस शो में सतीश शाह और कबीर बेदी के अभिनय की भी खूब प्रशंसा हुई थी।

अभिनेता ने अपने जन्मदिन पर बताई जीवन से जुड़ी रोचक बातें

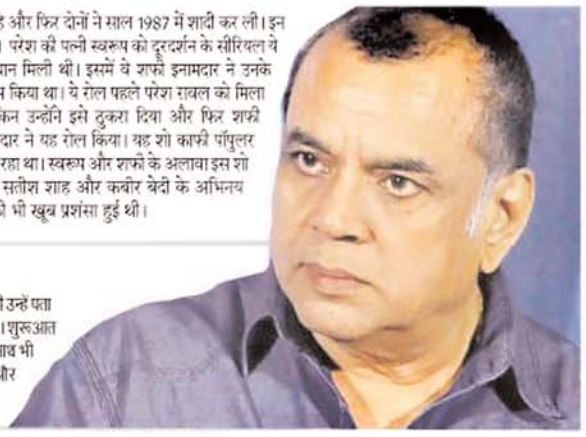

एक्टर बनने से पहले बैंकर थे परेश

फिल्मी करियर शुरू करने से पहले परेश रावल ने इंल्ल डा इ१ड्ड मे कुछ समय काम भी किया था। हालाकि, जल्द ही उन्हें पता चल गया था कि उनसे यह काम नही होगा और उन्होने साल 1995 मे अर्जुन फिल्म से अपने करियर की शुरूआत की। शुरूआत मे निगेटिव रोल करने के बाद उन्होंने कॉमेडी मे भी अपना जलवा दिखाया। उन्होंने अपनी फिल्मो मे अपने लुक के साथ भी काफी एक्सपेरिमेंट किया। परेश अपने करियर मे 270 के करीब फिल्मो मे काम कर चुके है। वो जल्द ही हंगामा 2 और तूफान फिल्म मे नजर आएगे।

आलिया सेट पर बहुत स्ट्रिक्ट रहती हैं जिस कारण उन्हें 'सेट का दादा' कहा जाता है

आलिया भट्ट और वरुण धवन ने अपना बॉलीवुड डेब्यू 2012 की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से किया था। फिल्म ने काफी अच्छा काम किया और दोनों जल्द ही लोगों के बीच लोकप्रिय भी हो गए। इसके बाद दोनों की जोड़ी को कई फिल्मों में पसंद किया गया। दोनों को आखिरी बार फिल्म कलंक में साथ देखा गया था। इसी फिल्म के दौरान का एक वाकया वरुण धवन ने शेयर किया था जब आलिया भट्ट ने उनसे बात करनी बंद कर दी थी।

कलंक के प्रमोशन के दौरान वरुण ने बताया था कि आलिया सेट पर आती थीं लेकिन उनसे बात बिल्कुल नहीं करती थीं। उन्होंने कहा था, 'सेट पर शुरूआत में बहुत लड़ाई हुई थी। पहले तो आलिया जब सेट पर आई तो बहुत एटीट्यूड से बर्ताव कर रही थी। मैंने पूछा क्या हो गया तुम्हें? क्या दो तीन बड़ी फिल्में साइन कर ली तो हवा लग गई?'

इसके बाद आलिया ने वरुण को बताया था कि वो कैरेक्टर में हैं, इसलिए बात नहीं कर रहीं। आलिया ने इसके बाद भी वरुण से बात करना बंद ही रखा लेकिन एक सीन करने के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि आलिया ने वरुण से बात करना फिर से शुरू कर दिया था। वरुण ने बताया था, 'एक दिन मैं थोड़ा लेट आया था, 20 मिनट लेट आया था। मैंने सबको बताया भी लेकिन आलिया उस दिन भी मुझ से बात नहीं कर रही थी। उस दिन उन्हें सीन में कैरिएज पर चढ़ना था। मुझे पता था कि ये गिरेंगी ही गिरेंगी। फिर मुझे ही उसे पकड़ना था। जब वो गिरी और मैंने पकड़ा, डायरेक्टर को सीन बिल्कुल पसंद नहीं आया लेकिन आलिया हंस दी और हम फिर दोस्त बन गए।' आलिया भट्ट और वरुण धवन ने बद्रीनाथ की दुल्हनिया, हम्टी शर्मा की दुल्हनिया आदि फिल्मों में भी काम किया है जहां उनकी केमेस्ट्री को काफी पसंद किया गया है। दोनों के बीच की बॉन्डिंग को लेकर एक इंटरव्यू में वरुण ने कहा था कि वो ऑफ स्क्रीन भी आलिया के साथ काफी कंफर्टेबल रहते हैं इसलिए स्क्रीन पर भी उनकी केमेस्ट्री अच्छी दिखती है। वरुण ने यह भी बताया था कि आलिया सेट पर बहुत स्ट्रिक्ट रहती हैं जिस कारण उन्हें 'सेट का दादा' कहा जाता है।

माधुरी दीक्षित और जूही चावला ने इसलिए नहीं की बॉलीवुड स्टार से शादी

अक्सर बॉलीवुड सितारों से फैन्स को ऐसी उम्मीदें होती हैं कि वो किसी सितारे से ही शादी करेंगे, लेकिन जब ऐसा नहीं होता है तो वो हैरान रह जाते हैं और इसके पीछे की वजह जानने के लिए आतुर रहते हैं। बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारों माधुरी दीक्षित और जूही चावला ने भी जब किसी बॉलीवुड सेलेब से शादी नहीं की थी तो सभी फैन्स हैरान रह गए थे। आखिरी माधुरी और जूही ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर किसी और से शादी क्यों की? इस सवाल का जवाब दोनों अभिनेत्रियों ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण में दिया था। जूही और माधुरी 2014 में करण जौहर के शो में पहुंची थीं और कई अन्य सवालों के साथ ही उन्होंने इस सवाल का भी जवाब दिया था। बता दें कि जूही चावला ने साल 1995 में इंडस्ट्रलिस्ट जय मेहता से शादी की थी, जबकि माधुरी दीक्षित ने साल 1999 में डॉ. श्रीराम नेने से। करण जौहर ने अपने शो में माधुरी और जूही से पूछा था कि आप दोनों ने ही बॉलीवुड के दिग्गज सितारों के साथ काम किया लेकिन शादी बॉलीवुड के बाहर के शख्स के साथ की, ऐसा क्यों?

जूही का जवाब सुनकर हंस पड़े माधुरी और करण

करण के सवाल पर माधुरी ने कहा था, 'मैंने शाहरुख और सलमान के साथ काफी काम किया, आमिर के साथ दो फिल्में की। लेकिन मैं किसी को भी इतना पसंद नहीं करती थी कि शादी कर लूं। मेरे पति मेरे असली हीरो है।' वहीं जूही ने कहा था, 'जय मेरे लिए फूल, कार्ड्स और गिफ्ट्स भेजते थे, मैं उनसे आकर्षित थी।' इसके आगे जूही ने मजाक में कहा, 'मुझे नही लगता था कि मै किसी ऐसे शख्स को अपने पति के रूप में देख पाती जो मुझसे ज्यादा बार बार शीशा देखता।' जूही की बात सुनकर माधुरी और करण भी हंस पड़ते हैं।

कंगना रनौत का बॉडीगार्ड गिरफ्तार

शादी का झांसा देकर रेप और चीटिंग का है आरोप

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के पर्सनल बॉडीगार्ड कुमार हेगड़े को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हेगड़े को कर्नाटक में उसके गांव से गिरफ्तार किया गया है। कुमार हेगड़े पर एक महिला ने शादी का झांसा देकर रेप करने और धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए हैं। महिला ने आरोप लगाए है कि कुमार हेगड़े ने उससे 50 हजार रुपये भी लिए थे जो वापस नहीं किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'मुंबई पुलिस की एक टीम ने शनिवार को कुमार हेगड़े को मांड्या के हेगडाहल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।' कुमार हेगड़े आरोप लगाने वाली महिला के संपर्क में नहीं था जिसके बाद उसने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 30 साल की एक ब्यूटीशियन महिला ने बॉडीगार्ड कुमार हेगड़े पर आरोप लगाया है

कि उन्होंने शादी का झांसा देकर उनका रेप किया है। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता पिछले साल जून में एक फिल्म शूटिंग के दौरान कुमार हेगड़े से मिली थी।

महिला ने शिकायत में बताया है कि कुमार हेगड़े ने पहले शादी के लिए प्रपोज किया। इसके अलावा कुमार हेगड़े ने उससे लिव इन रिलेशनशिप में रहने के लिए कहा तो वह तैयार हो गई क्योंकि उसे इस बात की उम्मीद थी कि वह उनसे शादी करेगा। शिकायत में महिला ने यह भी बताया कि उसने फिजिकल रिलेशन बनाने से मना कर दिया लेकिन कुमार हेगड़े ने इसके लिए मजबूर किया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि कुमार हेगड़े ने यह कहते हुए 50 हजार रुपये उधार लिए कि उसकी मां की तबीयत खराब है और उसे अपने होमटाउन जाना है। तब से वह उसके संपर्क में नहीं है।

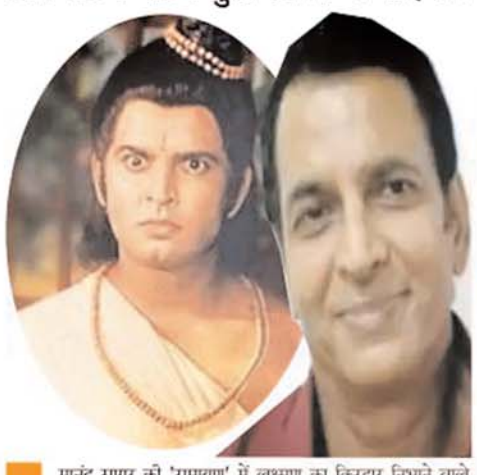

सुनील लहरी का नया लुक वायरल, बिखरे बाल और शर्ट के बटन खुले देख फैन्स भी हैरान

रामानंद सागर की 'रामायण' में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी इन दिनों अपने नए लुक की वजह से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, सुनील इस फोटो में अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं। दरअसल, सुनील ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें उनका लुक पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। जिस पर फैन्स खूब रिएक्शन भी दे रहे हैं। आपको बता दें कि सुनील की सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। जिसकी वजह से वह जब भी अपनी फोटो पोस्ट करते हैं। वह वायरल होने लगते हैं। सुनील की वायरल हो रही फोटो में उनका लुक देखकर फैन्स भी काफी हैरान है, क्योंकि संस्कारी लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील इसमें अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। फोटो में सुनील की शर्ट के बटन खुले हैं और कॉलर चढ़ा हुआ है। इसके अलावा उन्होंने दाढ़ी बढ़ा रखी है। और बाल बिखरे नजर आ रहे हैं। बता दें कि सुनील ने इंस्टाग्राम पर डेढ़ लाख से ज्यादा फॉलोअर्स होने की खुशी में फोटो में शेयर की है। ऐक्टर ने कैप्शन में लिखा, 'आज कोई कैप्शन नहीं, क्योंकि ट्रैवल कर रहा हूं। बस इतना कहूंगा कि थैंक्यू और सभी को ढेर सारा प्यार। मुझे सपोर्ट, प्यार, सम्मान करने के लिए बहुत- बहुत शुक्रिया।' सुनील की इस फोटो पर फैन्स खूब रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक फैन ने कॉमेंट करते हुए लिखा, 'सर आप बहुत हैंडसम लग रहे हैं'। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'सर आप अपना ध्यान रखें।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'सर आप किसी प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं?'

जब जॉन अब्राहम को कॉमेडियन कृष्णा का मजाक नहीं आया पसंद

अपसेट होकर वापस लौट आए

बॉलीवुड में अलग अलग तरह की पर्सनालिटीज और नेचर वाले सेलेब्स हैं। किसी को हंसी मजाक पसंद है तो कोई सीरियस रहना पसंद करता है। ऐसे ही एक्टर हैं जॉन अब्राहम। जॉन अब्राहम काफी शाय किस्म की पर्सनालिटी वाले एक्टर हैं। ऐसे में वह खुद में रहना पसंद करते हैं। एक बार जॉन अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए एक कॉमेडी शो में जा पहुंचे थे। जहां उन्होंने एंजॉय तो कुछ खास नहीं किया लेकिन अपसेट होकर जरूर लौट आए। खबरें तो ये भी थीं कि जॉन अब्राहम उस कॉमेडी शो से बकायदा गुस्से में उठ कर चले गए थे। दरअसल, जॉन अब्राहम को उस वक्त कॉमेडियन का मजाक बिलकुल भी पसंद नहीं आया था। जिसके वजह से जॉन बीच शो से ही उठ खड़े हुए और वॉक आउट कर गए। ये शो कोई और नहीं बल्कि 'द कपिल शर्मा शो' में नजर आने वाले कृष्णा अभिषेक का शो था- कॉमेडी नाइट्स बचाओ। शो के दौरान कृष्णा तब तक कुछ समझ नहीं पाए थे कि जॉन को उनका मजाक पसंद नहीं आ रहा है। जब जॉन शो से उठ खड़े हुए और सेट से बाहर चले गए तब कृष्णा को लगा कि कुछ तो गड़बड़ हो गई है। हालांकि कृष्णा अभिषेक ने अपनी कॉमेडी को लेकर जॉन से माफी भी मांगी थी फिर भी जॉन ने उन्हें माफ नहीं किया था। दरअसल, ये मामला है साल 2016 का जब कृष्णा कॉमेडी शो -कॉमेडी नाइट्स बचाओ में काम कर रहे थे। जॉन अपनी फिल्म फोर्स 2 के प्रमोशन के लिए इस शो पर सोनाक्षी सिन्हा के साथ पहुंचे थे। जब शो शुरू हुआ तो दोनों सेलेब्स इस शो को काफी एंजॉय कर रहे थे। लेकिन जब कृष्णा ने जॉन के करियर को लेकर कॉमेडी करना शुरू किया तो जॉन का मूड खराब हो गया। इस दौरान कृष्णा अभिषेक ने जॉन की डेब्यू फिल्म 'पाप' का भी खूब मजाक उड़ाया। जॉन अब्राहिम को उनके शुरूआती करियर के लिए काफी क्रिटिसाइज किया जाता रहा है। वहीं कृष्णा अभिषेक ने भी इस दौरान जॉन की फिल्म को जमकर रोस्ट किया था। जिसके बाद जॉन अब्राहम का मूड बुरी तरह से खराब हो गया था और वह बिना कुछ बोले ही शो के बीच से उठकर चले गए थे।

कृष्णा अभिषेक ने जॉन की डेब्यू फिल्म 'पाप' का भी खूब उड़ाया था मजाक

राहत के बीच एक और आफतः वियतनाम में मिला हवा में तेजी से फैलने वाला नया वेरिएंट, सबसे ज्यादा है घातक

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना वायरस से राहत मिलना शुरू हुआ ही था कि एक और आफत ने दस्तक दे दी है। वियतनाम में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का एक और खतरनाक वेरिएंट मिला है। वियतनाम में कोरोना के भारत और ब्रिटेन में पाए गए स्ट्रेन के संयुक्त रूप का पता चला है।

चिंता की बात यह है कि यह अन्य वेरिएंट से भी अधिक संक्रामक और घातक है। वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्री गुयेन थान लोंग ने यह जानकारी दी है। इस वेरिएंट को लेकर ऐसा माना जा रहा है कि ब्रिटेन और भारत में पाए गये कोरोना के स्ट्रेन की तुलना में यह अधिक तेजी से फैलने वाला हो सकता है। लोंग के अनुसार वियतनाम में पाया स्ट्रेन भारत के स्ट्रेन के और म्यूटेशन के साथ ब्रिटेन में पाए गए स्ट्रेन का संस्करण है जो ब्रिटेन में पाए गए स्ट्रेन के समान है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय वैश्विक जीनोम मानचित्र पर कोरोना वायरस के नए संस्करण की घोषणा करेगा। देश में कोरोना वायरस के नए मामलों के बढ़ने के पीछे नए स्ट्रेन का होना है।

वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्री विएन टान लोंग ने कहा कि यह वेरिएंट काफी तेजी से हवा में फैलता है और यह पहले की तुलना में अधिक घातक है। साथ ही यह काफी तेज गति से वातावरण में फैलता है।

बता दें कि वियतनाम अभी कोरोना वायरस के नए कहर का सामना कर रहा है और इसके आधे से अधिक प्रदेशों में संक्रमण फैल गया है। अप्रैल के बाद पहली बार शनिवार को एक दिन में 6800 से अधिक नए केस सामने आए और 47 लोगों की मौतें हो गईं।

भारत में कोरोना का ग्राफ

भारत में कोविड-19 के एक दिन में 1,65,553 नए मामले आए जो 46 दिनों में संक्रमण के सबसे कम मामले हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमण के मामलों की कुल संख्या 2,78,94,800 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर गिरकर 8.02 प्रतिशत रह गई जो लगातार पांचवें दिन 10 प्रतिशत से कम है जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 9.36 प्रतिशत है। सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीमारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,25,972 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में 3,460 मरीजों की मौत हुई है।

अनलॉक के लिए रेलवे भी तैयार

नई दिल्ली। अनलॉक के लिए उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल भी तैयार है। जून में यात्रियों की संख्या बढ़ते ही रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। इसके लिए बिहार, उत्तर प्रदेश व अन्य मंडलों के अधिकारियों से उत्तर रेलवे के अधिकारी संपर्क में हैं। फिलहाल दिल्ली डिविजन में कुल करीब 260 रेलगाड़ियों की प्रतिदिन आवाजाही हो रही है। वहीं, यात्रियों की कमी के चलते भुवनेश्वर, पश्चिम बंगाल की कई ट्रेन समेत दिल्ली-एनसीआर की कई पैसेंजर ट्रेन अगले आदेश तक रद्द की गई हैं।

उत्तर रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक गोवा, महाराष्ट्र समेत जिन राज्यों में संक्रमण की दर अधिक है वहां से दिल्ली आने वाले यात्रियों की रैंडम कोरोना आरटीपीसीआर जांच की जा रही है। नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन व आनंद विहार जैसे बड़े रेलवे स्टेशनों पर जांच की व्यवस्था है। इसके अलावा स्टेशनों पर यात्रियों के लिए हैंड सैनेटाइजर, लगेज के लिए यूवी किरण वाला बैगेज सेनेटाइजर मशीन आदि व्यवस्था की गई है। रेलवे कर्मियों को भी नई दिल्ली, किशनगंज आदि स्टेशनों पर वैक्सीन लगाई जा रही है। लगातार स्टेशनों पर सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए उद्घोषणा की जा रही है।

जलवायु से कार्बन हटाने के लिए छह प्राथमिकताओं पर देना होगा ध्यान

लंदन ■ एजेंसी

शून्य ऑक्सीजन उत्सर्जन का लक्ष्य 2050 तक हासिल करने के लिए वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन में अत्यंत तेजी से कटौती करने की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा करने के बावजूद विमानन, कृषि एवं सीमेंट उत्पादन के कारण होने वाले प्रदूषण के स्रोतों का स्वच्छ विकल्प खोजना और उनका इस्तेमाल करना आसान नहीं होगा। इसका अर्थ है कि दुनिया को जलवायु को स्थिर करने के लिए वातावरण से कार्बनडाईऑक्साइड (सीओ2) हटाने के तरीके खोजने और इस दिशा में कोशिशों को तेज करने की आवश्यकता है। केवल ब्रिटेन के शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक साल में 10 करोड़ टन सीओ2 कम करनी होगी। ब्रिटेन सरकार ने कार्बन को निकालने के लिए अनुसंधान एवं विकास के मकसद से तीन करोड़ 15 लाख पाउंड (चार करोड़ 47 लाख डॉलर) मुहैया कराने की घोषणा की है, जो स्वागत योग्य है। नई तकनीक के परीक्षण से मदद मिलेगी, लेकिन यदि हरित गैस उत्सर्जन कम करना है, तो कई सामाजिक समस्याओं से निपटना होगा। यदि उचित कदम उठाए जाएं, तो उत्सर्जन में कटौती के लिए कार्बन को वायुमंडल से निकालना सबसे संगत हो सकता है, जिससे जलवायु में फिर से संतुलन स्थापित हो सकेगा और यदि उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह खतरनाक तरीके से ध्यान भटकाने वाला साबित हो सकता है।

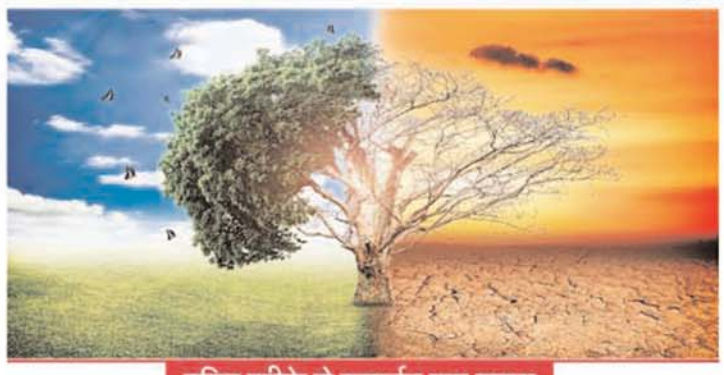

उचित तरीके से उत्सर्जन कम करना

वातावरण से हरित गैसों को कई तरीकों से हटाया जा सकता है। सीओ2 को पीये कम कर सकते है या मिट्टी, खनिज अथवा रसायन इसे अवशोषित कर सकते है और इसे जीवमडल, महासागर, भूमि के नीचे संग्रहित किया जा सकता है। भंडारण के ये माध्यम आकार और स्थिरता की दृष्टि से विभिन्न हो सकते हैं और इनके कार्बन भंडारण की लागत और तत्परता भी अलग-अलग हो सकती है। उदाहरण के लिये, पेड़ कार्बन को अवशोषित करने का ऐसा तरीका है, जिसे अभी से इस्तेमाल किया जा सकता है और इसके कई अतिरिक्त लाभ है, लेकिन ये जो कार्बन अवशोषित करते हैं, वह आग लगने, कीटों या पेड़ों की कटाई से वायुमंडल में फिर से आ सकती है। यदि सीओ2 को भूमि के नीचे एकत्र किया जाता है, तो यह अधिक स्थिर माध्यम होगा और 100 गुणा अधिक मात्रा का भंडारण कर सकेगा, लेकिन हवा से सीओ2 को भूमि के नीचे एकत्र करने के तरीके महंगे है। हालांकि इस दिशा मे कई नवोन्मेष और 'स्टार्ट-अप' सामने आ रहे है। कुछ विशेषज्ञो को चिंता है कि कार्बन को कम करना एक मुगतृष्णा साबित हो सकती है, जो उत्सर्जन को कम करने के महत्वपूर्ण कार्य से विचलित कर सकती है, तो हम कार्बन को उचित तरीके से कैसे हटा सकते है? राष्ट्रीय स्तर पर हरित गैस हटाने संबधी केंद्र का नेतृत्व करने वाले वैज्ञानिको के तौर पर हमने छह प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार की है।

स्पष्ट दृष्टिकोण: ब्रिटेन सरकार को अभी यह फैसला करना है कि वह वायुमंडल से कितनी सीओ2 हटाना चाहती है, वह किस तरीके को प्राथमिकता देती है और क्या 2050 अंतिम पड़ाव है या आगे और सीओ2 हटाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। यदि इसे लेकर कोई स्पष्ट दृष्टिकोण होगा, तो लोगो को सीओ2 को हटाने में निवेश करने के लाभ का पता चल सकेगा। इसके साथ भी यह भी पता चलेगा कि उत्सर्जन के किन स्रोतो को पूरी तरह रोका जाना चाहिए।

जन समर्थन: बड़े स्तर पर कार्बन हटाने का समुदायों और पर्यावरण पर बड़ा प्रभाव होगा। पूरा परिदृश्य और आजीविका का तरीका बदल जाएगा। सरकार का हर साल ब्रिस्टल के दोगुने इलाके के बराबर स्थान को ढकने के लिए पर्याप्त पेड़ लगाने का लक्ष्य है। इस प्रकार के कार्यों के लिए विचार-विमर्श आवश्यक है। जन सभाओं समेत लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ऐसे समाधान खोजे जा सकते है, जो विभिन्न समुदायों को आकर्षित करें और उनकी स्वीकार्यता बढ़ाए।

नवोन्मेष: सीओ2 को स्थायी रूप से हटाने के जिन तरीकों पर काम किया जा रहा है, वे अभी शुरूआती चरण में हैं और इनके जरिए प्रति टन सीओ2 को हटाने के लिए सैकड़ो पाउंड की आवश्यकता है। ये ऊर्जा बचाने वाली प्रकाश व्यवस्था, सौर एवं पवन ऊर्जा या इलेक्ट्रिक कारो आदि जैसे उन अधिकतर तरीकों से महंगे है, जो कार्बन का उत्सर्जन कम करते है।

निगरानी करना, दर्ज करना और सत्यापित करना

यह सुनिश्चित करना भी अहम है कि कार्बन को हटाने संबंधी कदमों से जुड़े दस्तावेज तैयार किए जाएं और सटीक जानकारी दर्ज की जाए। अन्यथा, नागरिकों के मन में यह सवाल उठना जायज है कि क्या कोई कदम वास्तव में उठाया जा भी रहा है या सरकारें यूं ही लोगों का पैसा कंपनियों को दे रही हैं। मिट्टी में कार्बन संग्रहण की निगरानी करना, इस संबंधी जानकारी दर्ज करना और इसे सत्यापित करना एक बड़ी चुनौती है, जिसके लिए नमूनों एकत्र करने, उपग्रहों और मॉडलों की एक जटिल प्रणाली की आवश्यकता होगी।

निर्णय लेना: सीओ2 को हटाने संबंधी काफी जानकारी अकादमिक साहित्य में उपलब्ध है और यह वैश्विक स्तर के परिदृश्यों पर केंद्रित है, लेकिन यदि इसे जमीनी स्तर पर लागू करना है तो इसके लिए स्थानीय किसानों से लेकर अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषकों तक सभी के सहयोग की आवश्यकता होगी। सभी को ऐसे उपकरणों की आवश्यकता होगी, जो बेहतर फैसले करने में उनकी मदद कर सकें। दुर्भाग्य से, अब इतनी अधिक देर हो चुकी है कि हम अनुचित तरीके से कदम उठाने का जोखिम नहीं उठा सकते, लेकिन हम आशावान हैं कि इस संबंध में उचित कदम उठाए जाएंगे।

प्रोत्साहन: हवा से सीओ2 को हटाने से कारोबारों को कैसे लाभ होगा? कार्बन को हटाने और उसके भंडारण के लिए पेड़ों के अलावा सरकार समर्थित कोई दीर्घकालिक पहल नहीं है। ब्रिटेन सरकार अन्य देशों के प्रयासों से सीख सकती है। '45क्यू कर छूट एवं कैलिफोर्निया लो-कार्बन फ्यूल स्टैंडर्ड' और 'ऑस्ट्रेलियन कार्बन फार्मिंग इनिशिएटिव' पहले कारोबारों को सीओ2 को संग्रहित करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

न्यूज. ब्रीफ

अमेरिका में कोविड-19 टीका लगवाने का आदेश देने अस्पताल पर मुकदमा

ह्यूस्टन। अमेरिका मे एक अस्पताल के 100 से अधिक कर्मचारियों ने कोविड-19 टीका लगवाने का आदेश देने के लिए अस्पताल के खिलाफ मुकदमा किया है। कर्मचारियो ने शुक्रवार को ह्यूस्टन मैथोडिस्ट अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दायर कर कार्यस्थली पर अनिवार्य रूप से टीका लगवाने के आदेश को चुनौती दी। अटॉर्नी जेरेड वुडफिल ने कहा कि वह 117 कर्मियो का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि अमेरिका के इतिहास मे पहली बार किसी नियोक्ता ने अपने कर्मचारियो को प्रायोगिक तौर पर कोविड-19 एमआरएनए जीन परिवर्तन इंजेक्शन लगवाने या नौकरी छोड़ने का आदेश दिया है। याचिका मे कहा गया है कि अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने दिसंबर 2020 मे कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी थी।

एंटीगुआ में विपक्ष को पैसे खिला रहा भगोड़ा मेहुल चोकसी: पीएम गैस्टन ब्राउन

एंटिगुआ। भारत के भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को लेकर एंटीगुआ और बारबुडा मे सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन ने चोकसी का समर्थन करने के लिए विपक्षी यूनाइटेड प्रोग्रेसिव पार्टी (यूपीपी) पर पलटवार करते हुए शनिवार को चोकसी से पैसे लेने का आरोप लगाया है। गैस्टन ने कहा, मेरे प्रशासन पर मेहुल चोकसी को शरण देने का आरोप लगाने के बाद वे अब इस भगोड़े को बचाने के लिए अभियान चलाने के लिए उससे पैसे की की मांग कर रहे है। उन्होंने आगे कहा, हम चोकसी की नागरिकता रद्द करने और साथ ही साथ आपराधिक आरोपों का सामना करने के लिए भारत मे उसके प्रत्यर्पण को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ है। मेरे प्रशासन द्वारा उनकी नागरिकता रद्द करने के निर्णय के बावजूद चोकसी की कानूनी और संवैधानिक सुरक्षा का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सप्लाई लेकर पहुंचा चीन का स्वचालित अंतरिक्षयान

नई दिल्ली। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी ने घोषणा की है कि एक स्वचालित अंतरिक्षयान चीन के नये अंतरिक्ष केंद्र पर उतर गया है। यह यान भविष्य मे केंद्र तक आने वाले अंतरिक्षयानो के चालक दल के सदस्यो के लिए ईंधन और आपूर्तिया लेकर पहुचा है। 'चाइना मैन्ड स्पेस ने कहा तिआनझोउ-2 अंतरिक्षयान दक्षिण चीन सागर मे स्थित द्वीप हैनान से प्रक्षेपित किए जाने के आठ घंटे बाद तिआन्हे अंतरिक्ष केंद्र पर पहुचा। यह अंतरिक्ष पोशाक, खाने-पीने की आपूर्तिया और केंद्र के लिए उपकरण एवं ईंधन लेकर पहुचा। चीन के लगातार महत्वाकांक्षी होते अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत तियान्हे या 'हैवनली हार्मनी' देश द्वारा शुरू किया गया तीसरा और सबसे बड़ा कक्षीय केंद्र है। इस केंद्र का सबसे महत्वपूर्ण मॉड्यूल 29 अप्रैल को शुरू किया गयाथा। अंतरिक्ष एजेंसी अगले साल के अंत तक कुल 11 प्रक्षेपणों की योजना बना रही है जो इस 70 टन के केंद्र तक दो और मॉड्यूल, आपूर्तिया और तीन सदस्य चालक दलो को पहुचाएंगे।

पाकिस्तान में तीन आतंकवादी गिरफ्तार, 400 किलो विस्फोटक बरामद

लाहौर। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को पंजाब प्रांत में, विभिन्न प्रतिबंधित संगठनो से जुड़े तीन आतंकवादियो को गिरफ्तार कर उनके पास से 400 किलो विस्फोटक बरामद किया। आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को एक बयान मे कहा कि बरामद की गई विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल कानून प्रवर्तको तथा सरकारी भवनो को निशाना बनाने के लिये किया जाना था। पंजाब प्रांत के विभिन्न हिस्सो से गिरफ्तार किये गए ये तीन आतंकवादी बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए), तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और सिपाह-ए-सहाबा पाकिस्तान (एसएसपी) से जुड़े थे।

बिना वैक्सीनेशन नहीं मिलेगी शराब और बीयर, दिखाना होगा कार्ड

इटावा। वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के लिए यूपी के इटावा जिले में अनूठी पहल की शुरूआत की गई है। सैफई एसडीएम ने शराब और बीयर के ठेकेदारो से कहा है कि वह किसी को भी बिना प्रमाण पत्र के शराब की बिक्री न करे और इसका असर दिखाई भी देने लगा है। एसडीएम हेमसिह के अनुसार शनिवार को उन्होंने ठेकेदारो से बगैर वैक्सीन प्रमाण पत्र के किसी को शराब की बिक्री नहीं करने की अपील की थी। एसडीएम की अपील के बाद अब शराब खरीदने वाले वैक्सीन लगावाने का प्रमाण पत्र लेकर आ रहे है। एसडीएम ने सैफई तहसील में कोरोना वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने की इस अनूठे प्रयोग की जमकर तारीफ हो रही है। उन्होने शराब व बीयर ठेका संचालको से अपील की है कि कोरोना का टीका लगवा चुके लोगो को ही शराब बेचे। इसके लिए वह समय-समय पर दुकानों की जांच भी करेंगे।

सिरफिरे ने नवविवाहिता को गोली मारने के बाद खुद को मारी गोली, युवती की मौत

नालदा। नालदा जिले के भागनबिगहा थाना इलाके के तूफानगज गांव के समीप एक सिरफिरे युवक ने बोलेरो सवार युवती को गोली मारने के बाद खुद को गोली मार ली जिससे युवती की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल युवक को पटना रेफर कर दिया गया है। मृतका नूरसराय थाना इलाके के केवई निवासी संदीप कुमार की 21 वर्षीया पुत्री शबनम उर्फ बिंदु कुमारी है। परिजनों ने बताया कि 26 मई को शबनम की शादी रहुई थाना इलाके के शाहपुर गांव निवासी विकास कुमार से हुई थी। आज वह अपने चचेरे देवर के साथ ससुराल से मायके आ रही थी। इसी बीच पूर्व से घात लगाए युवक ने हथियार का भय दिखाकर बोलेरो को रुकवा दिया इसके बाद जबरन युवती को उतारने लगा। इसपर युवती ने इनकार कर दिया तो उस सिरफिरे युवक ने पहले उसके सिर में गोली मार दी इसके बाद खुद भी सिर में गोली मार लिया।

इमरान ने अलापा परमाणु क्षमता का राग, कहा- देश की रक्षा करने में उस पर पूरा भरोसा जताया

- पाकिस्तान के पीएम ने परमाणु क्षमत पर जताया पूरा भरेसा
- 23 साल पहले पाकिस्तान ने किया था परमाणु परीक्षण
- पाकिस्तान ने 28 मई 1998 को परमाणु परीक्षण किया था

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश की रक्षा करने में इसकी परमाणु क्षमता पर शनिवार को पूरा भरोसा जताया। खान ने सामरिक बल कमान के एक परमाणु केन्द्र का दौरा किया, जो परमाणु सामग्री की सुरक्षा के लिये जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में खान के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर एक शांतिपूर्ण और स्थिरता वाले माहौल को बढ़ावा देने के प्रति निरंतर काम करने को लेकर प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान

खान को पाकिस्तान के सामरिक कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। बयान में कहा गया है कि खान ने पाकिस्तान के सामरिक कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों और कर्मियों के प्रयासों की प्रशंसा की और राष्ट्र की रक्षा में उसकी परमाणु क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया।

23 साल पहले पाकिस्तान ने किया था परमाणु परीक्षण

पाकिस्तान ने अपने परमाणु परीक्षण की याद में शुक्रवार यानी 28 मई को 'यौम-ए-तकबीर' (महानता दिवस) मनाया था। पाकिस्तान ने भारत द्वारा पोखरण परीक्षण किये जाने के जवाब में 28 मई 1998 को परमाणु परीक्षण किया था।

मुंबईः सामान्य फ्रिज में रखा मिला कोरोना का टीका, जांच के आदेश

मुंबई। मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने रविवार को उपनगर अंधेरी के एक होटल का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने कोविड-19 टीके की कई खुराकों को एक सामान्य फ्रिज में रखा हुआ पाया, जोकि तय नियमों का उल्लंघन है। पेडनेकर ने कहा कि फ्रिज में रखी गई कोवैक्सीन टीके की खुराकें सील थीं और इस मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। महापौर ने अंधेरी ईस्ट स्थित 'द ललित होटल' का निरीक्षण किया और इस दौरान बीएमसी के भी कुछ अधिकारी उनके साथ थे। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए पेडनेकर ने कहा कि एक स्थानीय निजी अस्पताल और होटल के बीच करार है, जिसके तहत टीके रखवाए गए थे।

हरियाणा में ब्लैक फंसग बना काल, अब तक 50 की मौत, 650 का चल रहा इलाज

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना वायरस कहर के बीच हरियाणा में ब्लैक फंगस ने तबाही मचा दी है। हरियाणा में अब तक इस ब्लैक फंगस से 50 लोग काल की गाल में समा चुके हैं। रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि ब्लैक फंगस से अब तक राज्य में 50 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अलग-अलग अस्पतालों में इससे ग्रसित 650 लोगों का इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री खट्टर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में अब तक ब्लैक फंगस के 750 से अधिक मामले सामने आए हैं। 58 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 50 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और 650 मरीजों का इलाज चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की खरीद कर रही है जबकि कुछ स्टॉक पहले से ही उपलब्ध था और सरकारी अस्पतालों में इस्तेमाल किया जा

रहा था। उन्होंने कहा कि हमारे पास 6,000 इंजेक्शन की शीशियां हैं। अगले दो दिनों में हमें 2,000 शीशियां और मिलेंगी, जबकि हमने 5,000 शीशियों का ऑर्डर दिया है। इससे पहले गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ब्लैक फंगस या म्यूकोर्मिकोसिस से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए बेड की संख्या 20 से बढ़ाकर 75 कर दी जाए। इधर, हरियाणा में कोरोना महामारी को देखते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य में लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला किया है।

धमकी आतंकी संगठन ने कहा... तो तेल अवीव पर बरसाएंगे बम

हमास के बाद अब इस आतंकी संगठन की इजरायल को चेतावनी, कहा- हमारे किसी भी कमांडर को मारा तो...

तेल अवीव ■ एजेंसी

फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास और इजरायल के बीच हुए ताजा संघर्ष विराम को तोड़ने के लिए अब एक और आतंकी संगठन सक्रिय हो गया है। आतंकी संगठन फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के सरगना जियाद अल-नखलाह ने इजरायल को चेतावनी देते हुए कहा है कि हमारे किसी भी कमांडर या सदस्य को मारा गया तो हम तेल अवीव पर तुरंत बमबारी करना शुरू कर देंगे। इस आतंकी संगठन का मुख्यालय सीरिया की राजधानी दमिश्क में है। इस संगठन को इजरायल, अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, ब्रिटेन, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं। जियाद अल-नखलाह ने कहा कि हमारे किसी भी कमांडर या सैनिक की हत्या की गई, चाहें वह कहीं भी हो तो हम तेल अवीव पर बमबारी करके तुरंत जवाब देने के लिए मजबूर हो जाएंगे। ईरानी जनरलों की हां में हां मिलाते हुए इस आतंकी ने कहा कि हम किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्डस कॉर्प्स के कमांडर जनरल एस्माईल कानी ने तेहरान में एक समारोह में कहा था कि इजरायल महंगे होने से पहले यूरोप, अमेरिका और अन्य जगहों पर बेचे गए घरों को वापस खरीद लें।

ईरानी एयरफोर्स चीफ ने इजरायल की धमकियों को बताया बकवास

एक अन्य शीर्ष ईरानी सैन्य प्रमुख और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अमीर अली हाजीजादेह ने तेहरान के खिलाफ इजरायल की सैन्य धमकियों को बकवास बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने शनिवार को अरबी भाषा के समाचार चैनल अल-मसीरा के साथ एक इंटरव्यू में दावा किया कि घेराबंदी के बावजूद गाजा पट्टी ने इजरायल के ऊपर हार का कालिख लगाया है।

अमेरिका में घर खरीदने की सलाह

ईरानी कमांडर जनरल ने कहा कि मैं सभी यहूदियों को सलाह दूंगा कि वे यूरोप, अमेरिका और अन्य जगहों पर बेचे गए घरों को फिर से खरीद ले और फिलिस्तीनी क्षेत्र को छोड़कर वापस चले जाए। ईरानी जनरल का यह बयान डिप्टी ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद हिजाजी की मृत्यु के 40वें दिन इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष विराम के बीच दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को तल्ख शब्दों में चेतावनी दी कि यदि आगे कोई और हमला किया गया तो उसका नए सिरे से पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा।

56 साल के ब्रिटिश पीएम बोरिस ने कैरी साइमंड्स से की गुपचुप शादी

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपनी भतीजर कैरी साइमंड्स के साथ गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। 56 साल के बोरिस जॉनसन ने वेस्टमिंस्टर कैथेड्रल में एक गुप्त समारोह में 33 साल की कैरी से शादी रचाई। बता दें कि कैरी साइमंड्स बोरिस जॉनसन से 23 साल छोटी हैं। इससे पहले द सन ने खबर दी थी कि दोनों जुलाई 2022 में शादी करने वाले हैं, इसके लिए उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों को निमंत्रण भी भेजा था। ऐसा कहा जाता है कि बोरिस जॉनसन एक बहुत निजी जीवन जीते हैं। जॉनसन के डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय के एक प्रवक्ता ने शादी की रिपोर्टों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

खबरों के मुताबिक मध्य लंदन में हुए शादी के समारोह में आखिरी समय पर मेहमानों को बुलाया गया था और कहा कि जॉनसन के कार्यालय के बड़े सदस्य भी शादी की योजना से अनजान थे। कोरोना वायरस के मद्देनजर वर्तमान में इंग्लैंड के भीतर शादियों में केवल 30 लोग ही शामिल हो सकते हैं। कैथोलिक कैथेड्रल को दोपहर 1:30 बजे अचानक बंद कर दिया गया। 33 साल साइमंड्स बिना घूंघट के एक लंबी सफेद पोशाक में पहुंची थी। जॉनसन (56) और साइमंड्स, 33, डाउनिंग स्ट्रीट में 2019 में जॉनसन के प्रधान मंत्री बनने के बाद से एक साथ रह रहे हैं।

ऑनलाइन ट्रेडिशनल नेशनल वुशु चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

आज ऑनलाइन ट्रेडिशनल नेशनल चैंपियनशिप का शुभारंभ हो गया है। इंटरनेशनल वुशु फेडरेशन के द्वारा पहले से प्रचलित ऑप्शनल ताऊलू इवेंट के साथ-साथ वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने पारम्परिक वुशु के भारत में प्रचार-प्रसार के लिए 2017 से ही इसे अपने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्थान दिया था। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा कि वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया अपने खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए हमेशा तैयार रहती है, जिसके लिए उसे अपने इकाइयों का निरंतर सहयोग मिलता रहता है और इसी के परिणामस्वरूप खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम और प्रतियोगिताओं का आयोजन राज्य एवम राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि इनसे खिलाड़ी घर पर ही रहकर अपने आप को शारीरिक एवम मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते है। उन्होंने इस बात की कामना की अतिशीघ्र ही कोरोना का यह कहर अपनी अंतिम घड़ियां गिनेगा और हम शीघ्र ही मैदान में होंगे। इसके पहले चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रो वाईस चांसलर आर एस बावा ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और खेलो के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि उनकी यूनिवर्सिटी वुशु के विकास के लिए वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हमेशा सहयोगी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के इस तरह के वर्चुअल रूप में आयोजन से खिलाड़ियों में ऊर्जा का संचार होगा।

इस दौरान वर्चुअल रुप से उपस्थित विशिष्ट अतिथि लातूर के सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस निखिल पिंगले एवम एन के त्रिपाठी (सेवानिवृत्त आई पी एस पदाधिकारी एवम निवर्तमान वाईस चांसलर मालवांचल यूनिवर्सिटी) ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए, त्रिपाठी ने कहा कि कोरोना के इस कठिन काल मे इस तरह की चैंपियनशिप खिलाड़ियों के लिए राहत की तरह है। मनदीप कौर-चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने इस प्रतियोगिता का संचालन किया और मनोज गुप्ता जो कि इस चैंपियनशिप के चीफ रेफरी है, ने इसके तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी और अपने नेतृत्व में ट्रेडिशनल वुशु का एक अत्यंत ही शानदार प्रदर्शन आयोजित करवाया। ज्ञातव्य है कि इस चैंपियनशिप में भारत के विभिन्न इकाइयों के तकरीबन 400 खिलाड़ी भाग ले रहे है।

आज हुए इस चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेंद्र सिंह बाजवा, सीईओ सुहेल अहमद, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे सहित कुलदीप हांडू, सोपान काटके, शम्भु सेठ, दिनेश मिश्र एवम सभी तकनीकी पदाधिकारी आदि मौजूद थे। चैंपियनशिप के सभी मैच 3 जून तक चलेंगे और उसी दिन समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। चैंपियनशिप के पहले दिन हुए ताईजीक्वान टाइप इवेंट के महिला वर्ग में नवोनिता बोरो(असम) प्रथम, श्रावणी काटके (महाराष्ट्र) द्वितीय एवम जेनी (मणिपुर) तीसरे स्थान पर रही।

पुरानी रंजिश के चलते गांव में चली गोली 5 लोग हुए घायल को गंभीर हालत में किया ग्वालियर लेकर

गोहद विधानसभा के एंडोरी थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते गोली चल गई जिसमें 5 लोग घायल हो गए सभी घायलों की पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर अस्पताल भेजा या जहां डॉक्टरों ने 2 लोगों को गंभीर अवस्था देखते हुए ग्वालियर रेफर कर दिया आरोपियों पर पहले से भी हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है जिस पर राजीनामा के लिए फरियादियों से दबाव बनाया जा रहा था राजीनामा न करने के कारण गोली चलना बताया गया है। बंदूक एवं लाठी-डंडों से की मारपीट-फरियादी जगदीश कौरव ने बताया कि मेरे पुत्र दीपेंद्र कौरव और अविनाश कौरव खेत की ओर जा रहे थे थोड़ा आगे पहुंचे तो गांव के रामजीलाल, रिंकू उर्फ देशराज ,कृष्णा ,सुशांत सहित लगभग आधा दर्जन से अधिक आरोपी बंदूक एवं लाठी डंडा लेकर खड़े हुए थे जिन्होंने दीपेंद्र अविनाश को पुराने केस में राजीनामा बनाने का दबाव बनाने लगे अविनाश ने राजीनामा करने से मना कर दिया तो रामजीलाल ने अविनाश को जान से मारने की नियत से गोली मार दी गोली चलते ही साथ जा रहा दीपेंद्र मदद के लिए चिल्लाने लगा तब जगदीश अरुण हेमंत कौरव मदद के लिए आ गए तो उन लोगों पर भी जान से मारने की नियत से आरोपियों द्वारा गोलियां चलाई एवं लाठी-डंडों से मारपीट कर दी जिससे लोग बुरी तरह से घायल हो गए। आरोपियों पर पहले से भी है हत्या के प्रयास का मामला दर्ज-आरोपी रामजी लाल वर्मा सहित आधा दर्जन से अधिक लोगों पर पूर्व से ही हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है आरोपियों द्वारा फरियादी पर निरंतर राजीनामा के लिए दबाव बनाया जा रहा था राजीनामा से मना करने के लिए लेकर गोली चला दी जिससे लोग घायल हो गए।

| क्रिस्टियनर पुलिसिच चैंपियंस लीग के फाइनल में खेलने वाले पहले अमेरिकी बने |

चेल्सी ने मैनचेस्टर सिटी को हराकर 9 साल बाद जीता चैंपियंस लीग का खिताब

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

क्रिस्टियनर पुलिसिच दुनिया के सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियंस लीग के फाइनल में खेलने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं और उनकी टीम चेल्सी विजेता बनने में भी सफल रही। चेल्सी के फॉरवर्ड पुलिसिच 66वें मिनट में सब्सिट्यूट खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे, तब उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ 1-0 से आगे चल रही थी। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी 2019 में जर्मन क्लब बोरुसिया डोर्टमंड से चेल्सी से जुड़ा था। उनके पास फाइनल में गोल करने का मौका भी था। उन्होंने 73वें मिनट में सिटी के गोलकीपर एडर्सन मोरियास को छकाकर गोल की तरफ शॉट जमाया लेकिन यह बाहर चला गया। पुलिसिच ने कहा, मुझे जो मौका मिला था काश मैं उसका फायदा उठा पाता।

चेल्सी ने मैनचेस्टर सिटी को हराकर 9 साल बाद जीता चैंपियंस लीग का खिताब

मै गेंद पर अच्छी तरह से शॉट नही जमा पाया लेकिन आखिर में हमारी टीम जीती और मुझे इस पर गर्व है। सिटी की टीम मे भी अमेरिका के गोलकीपर जॉक स्टीफन शामिल थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका नही मिला। चेल्सी से 9 साल बाद ये खिताब जीता है। इससे पहले उसने साल 2012 मे ये खिताब जीता था। काई हैवर्ट ने 42 वे मिनट मे चेल्सी की तरफ से गोल किया। इस जीत के साथ ही चेल्सी ने कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में मैनचेस्टर सिटी का चैंपियंस लीग जीतने का सपना तोड दिया। मैनचेस्टर सिटी को फाइनल मेजीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। मैनचेस्टर सिटी की बात करे तो कोच पेप गॉर्डियोला के मार्गदर्शन के पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल मे पहुची थी। पोर्तो मे एस्टेडियो डो ड्रेगाओ मे खेले गए फाइनल मे जर्मनी की तरफ से खेलने वाले हैवर्ट ने हाफटाइम से तीन मिनट पहले चेल्सी के लिए गोल किया। फाइनल मैच देखने के लिए 14000 से अधिक दर्शक मैदान मे आए थे। गौरतलब है कि इस मुकाबले के लिए कुल क्षमता के एक तिहाई दर्शको यानी 16500 दर्शकों को आने की स्वीकृत थी। तुर्की के इस्तांबुल में कोरोना के कारण यात्रा पाबंदियो के चलते इस मुकाबले को पुर्तगाल मे स्थानांतरित किया गया था। चेल्सी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 13 बार के चैंपियन रियल मैड्रिड हराकर नौ साल बाद फानइल में प्रवेश किया था।

लॉकडाउन में गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची सेवा हैः अभय

गहोई सेना ने जरूरतमंदों के बीच कई जगह बांटा राशन

वैश्विक महामारी कोरोना के प्रभाव को खत्म करने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन घोषित है। देश लॉकडाउन के दूसरे फेज से गुजर रहा है। लॉकडाउन में सामाजिक दूरी तो बढ़ गई है लेकिन साथ ही कई लोग गरीब ,असहाय व जरूरतमंदों की मदद के लिए मिलकर कदम बढ़ा रहे हैं। युवा गहोई सेना दतिया लॉकडाउन से लेकर आजतक लगभग कई जरूरतमंद परिवारों के बीच राशन वितरण कर चुका हैं। और जाति-धर्म के भेद से परे दतिया के लोकप्रिय समाजसेवी युवा गहोई सेना के संस्थापक अभय नेताजी की टीम 24 घण्टे मदद को तैयार है आज युवा गहोई सेना दतिया के द्वारा जिला संगठन मंत्री शिवम गुप्ता के नेतृत्व में पीताम्बरा मंदिर के पास व मातन के पेहरे पर जरूरतमंद परिवारों के बीच राशन वितरण किया गया। तथा सभी के हाथों को सैनिटाइज कराया मास्क बांटे गए। और आगे युवा समाजसेवी अभय नेताजी ने कहा इस लॉक डाउन में गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची सेवा है। हम सब जरूरतमंदों की मदद को तैयार है और इससे पूर्व भी लगभग कई परिवारों के बीच सूखा राशन वितरण किया गा चुका है। अभय ने कहा जरूरतमन्दों के बीच राशन वितरण का कार्य निरंतर जारी है। उम्मीद है यहां कोई भी गरीब भूखा नही सोएगा और संकट की घड़ी में लोग घरों में रहकर कोरोना से जंग लड़ रहे हैं,नियमों का पालन भी कर रहे हैं। इस अवसर पर आयुष गुप्ता, सुमित गुप्ता,जिला संगठन मंत्री शिवम गुप्ता,अभय नेताजी आदि उपस्थित रहे।

एक लाख दश हजार एक सौ रूपये विभिन्न संस्थाओं में भेट किये

धार। ग्राम नर्मदा नगर जीवन और मृत्यु अटल सत्य है जिसने जन्म लिया है उसे यह संसार छोड़कर जाना ही पड़ता है किन्तु अपने कर्मों से व अपनी अच्छाई व अपनत्व से कुछ बिरले व्यक्ति ऐसा कुछ कर जाते है जो सदैव औरो के लिए प्रेरणास्पद बन जाते हैं। जीवन के रंगमंच पर दिए गए पात्र अनुसार कुशलता पूर्वक निर्वहन करने वाले ग्राम नर्मदानगर जिला धार से निखिल चोयल एवं दक्ष चोयल के पिता जी , रामाजी चोयल के सुपुत्र, स्वर्गीय कानाजी चोयल के दत्तक पोते, स्वर्गीय ओमप्रकाश चोयल की अन्नदान व पगड़ी रस्म में गांव के सकल पंचों की उपस्थिति में कोरोना वायरस एवं सरकार की गाइडलाइन के अंतर्गत सीमित संख्या में स्वर्गीय ओमप्रकाश जी चोयल की स्मृति में परिवार द्वारा समाज की विभिन्न संस्थाओं को राशि भेट की श्री योगमाया मंदिर नर्मदानगर 51000 रुपये गौशाला आश्रम वृंदावन 21000 रुपये योगमाया मंदिर उज्जैन 11000 रुपये नर्मदा परिक्रमा सदावृत्त 11000 रुपये अंबिका आश्रम बालीपुर धाम 5100 रुपये सीरवी इंटरनेशनल स्कूल बड़वानी 11000 रुपये अन्नदान व पगड़ी रस्म के कार्यक्रम में स्व ओमप्रकाश चोयल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अल्पायु में उन्नति के शिखर पर पहुंचने के साथ पारिवारिक, सामाजिक व के साथ हर अन्य नैतिक उत्तर दायित्व के बेहतर को याद कर अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉक्टर सुरेश काग ने किया ।

केकेआर को लगा सबसे बड़ा झटका, टूर्नामेंट के लिए यूएई नहीं जाएगा ये विदेशी दिग्गज

- पैट कमिंस ने आईपीएल 2021 रोके जाने तक केकेआर के लिए 9 विकेट झटक लिए थे

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2021 (आईपीएल 2021) के बचे हुए मैचों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित करने का फैसला किया है. टूर्नामेंट के बचे हुए हिस्से को पूरा करने के लिए बोर्ड सितंबर-अक्टूबर के दिनों को इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है. हालांकि, इस पर अभी तक फैसला नहीं हुआ है, लेकिन इतना तय है कि कुछ खिलाड़ी इस बार टूर्नामेंट में वापसी नहीं कर पाएंगे. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने पहले ही इसको लेकर अपनी ओर से संकेत दे दिए हैं और अब कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस का भी खेल पाना मुश्किल लग रहा है. ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कमिंस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह दोबारा नहीं लौटेंगे.9 अप्रैल से शुरू हुए आईपीएल 2021 सीजन के बायो-बबल में कोरोनावायरस के मामले सामने आने के कारण 4 मई को टूर्नामेंट को बीच में ही स्थगित कर दिया गया था. इस दौरान टूर्नामेंट में सिर्फ 29 मैच खेले जा सके थे और 31 मैच बाकी हैं. इन 29 मैचों में हर टीम के लगभग सभी विदेशी खिलाड़ी खेल रहे थे, लेकिन अब साल के बाकी महीनों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इनका खेलना मुश्किल है, जो कि फ्रेंचाइजियों के लिए बड़ा झटका है.

केकेआर को झटका, कमिंस की नहीं होगी वापसी

ऑस्ट्रेलियाई अखबार सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि केकेआर के स्टार तेज गेंदबाज कमिंस सीजन के दूसरे हिस्से में शामिल होने के लिए नहीं जाएंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, कई खिलाड़ियों के पूरे साल भर अलग-अलग बायो-बबल में बिताने के कारण उन्हें आराम दिया जा सकता है. इनमें डेविड वॉर्नर और पैट कमिंस प्रमुख हैं, जिन्हें पारिवारिक कारणों से वेस्टइंडीज दौरे से आराम दिया जा सकता है. वहीं कमिंस ने ये भी साफ कर दिया है कि वह आईपीएल सीजन के बचे हुए मैचों के लिए वापस नहीं लौटेंगे. केकेआर के सबसे महंगे और सबसे प्रमुख तेज गेंदबाज का न होना टीम के लिए बड़ा झटका होगा. ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज के अलावा बांग्लादेश का दौरा भी करना है, जबकि साल के अंत में टी20 वर्ल्ड कप और फिर एशेज सीरीज भी खेलनी है।

इस हफ्ते शेयर बाजार नई ऊंचाई को छुएगा या लगाएगा गोता

नई दिल्ली। इस हफ्ते शेयर बाजार नई ऊंचाई को छुएगा या लगाएगा गोता? इस सप्ताह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा, पहली तिमाही के जीडीपी और पीएमआई जैसे वृहत आर्थिक आंकड़े, कोविड-19 को लेकर स्थिति और वैश्विक कारक बाजार की चाल पर कितना असर डालेंगे, बता रहे हैं रेलिगेयर ब्रोकिंग, जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज और रिलायंस सिक्योरिटीज के एनॉलिस्ट। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा, "इस सप्ताह नये माह की शुरूआत के साथ कई प्रमुख आंकड़े जारी होंगे। वृहत आर्थिक मोर्चे पर, पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े, बुनियादी ढांचा क्षेत्र, विनिर्माण और सेवा के मार्किट पीएमआई आंकड़े इस सप्ताह जारी होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि एक जून को वाहनों के बिक्री के आंकड़े जारी होंगे। "सबसे महत्वपूर्ण घटना क्रम मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक होने जा रही है जो इस सप्ताह ही होगी। इन सबके परिणाम का असर बाजार पर दिखेगा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "कोविड-19 मामलों में कमी के साथ इसकी रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन में ढील दिये जाने की संभावना है। इससे आर्थिक पुनरूद्धार को गति मिलेगी। उन्होंने कहा, "कोविड-19 की दूसरी लहर के संक्रमण में कमी, अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोले जाने की उम्मीद का बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और यह पिछली ऊंचाई से ऊपर निकल सकता है।

कीमत ▶ सरसों से लेकर सूरजमुखी तक के बढ़े भाव, एक साल में डेढ़ गुना हुए दाम

महंगाई की पिच पर उपभोक्ता चित, खाद्य तेलों की धुआंधार बैटिंग जारी

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना काल में महंगाई की पिच पर अगर कोई टीम धुआंधार प्रदर्शन कर रही है तो वह है खाद्य तेलों की टीम। इस टीम के सदस्यों में शामिल सूरजमुखी, सोया, पाम आयल, वनस्पति, मूंगफली धुआंधार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

वहीं अनाज-दाल की टीम के भी भाव चढ़े हुए हैं। पिछले एक साल में गेहूं, आटा और मूंगदाल को छोड़ सभी महंगे हुए हैं। चावल 4.40 फीसद तो चना दाल 14.28 फीसद महंगी हुई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़े कह रहे हैं। 28 मई 2020 की तुलना में 28 मई 2021 को आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। यहां तक नमक ने भी अपने तेवर तीखे किए हैं। मूंगफली तेल (पैक) 20.10 फीसद चढ़कर 177.59 रुपये पर पहुंच गया है। एक साल पहले यह 147.87 रुपये किलो था। सरसों के तेल में तो पिछले एक साल से आग लगी हुई है। इस अवधि के दौरान सरसों तेल (पैक) के दाम में 44.33 फीसद का उछाल आया है। 28 मई को देश के अलग-अलग शहरों में यह औसतन 171.45 रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले इसकी कीमत महज 118.79 रुपये थी।

वहीं वनस्पति (पैक) की बात करें तो यह 90.37 रुपये से 131.21 पर पहुंच गया है। इस दौरान इसमें 45.19 फीसद का उछाल आया है। सोया तेल (पैक) सबसे अधिक महंगा हुआ है। एक साल में 52 फीसद से ज्यादा उछल कर यह 100.78 से 153.85 पर पहुंच गया है। वहीं खाद्य तेलों सूरजमुखी तेल (पैक) ने रिकॉर्ड उछाल दर्ज की है। एक साल में यह 56.31 फीसद उछलकर 172.79 पर पहुंच गया है। पहले यह 110.54 रुपये था। वहीं पाम तेल (पैक) भी 54.05 फीसद महंगा होकर 86.98 रुपये से 133.99 पर पहुंच गया है।

8 जून से मिलेगा शुद्ध सरसों का तेल, मिलावट पर पूरी तरह से रोक के फैसले से उद्योग संतुष्ट

खाद्य तेलों में सरसों तेल के मिलावट पर आठ जून 2021 से पूरी तरह रोक लगाने के निर्णय से घरेलू खाद्य तेल उद्योग खुश है और सरकार के इस कदम को देश में तिलहन उत्पादन, तेल उद्योग और रोजगार के अवसर बढ़ाने वाला बताया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की एक अधिसूचना के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और मानक (विक्रय प्रतिषेध और निर्बंधन) विनिमय 2011 में संशोधन किया है। आठ मार्च को जारी खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री निषेध और प्रतिबंध) तीसरा संशोधन नियमन 2021के अनुसार आठ जून 2021 को और उसके बाद किसी भी बहु स्रोतीय खाद्य वनस्पति तेल में सरसों तेल का सम्मिश्रण नहीं की जा सकेगा। यानी अब सरसों तेल को बिना किसी सम्मिश्रण के बेचना होगा। एफएसएसआई ने इसके साथ ही विभिन्न मिश्रण वाले खाद्य वनस्पति तेलों (सरसों तेल शामिल नहीं) की खुली बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया है। इस प्रकार के बहुस्रोत वाले खाद्य तेलों की बिक्री 15 किलो तक के सील बंद पैक में ही की जा सकेगी। इसमें यह भी कहा गया है कि ऐसे मिश्रित तेलों को "बहु स्रोतीय खाद्य वनस्पति तेल नाम से बेचा जा सकेगा। इसमें सम्मिश्रण में प्रयोग किये गये तेल के सामान्य अथवा वंश नाम का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

जीएसटी मुआवजा की जरूरत केंद्र के 1.58 लाख करोड़ के अनुमान से अधिक होगी

नई दिल्ली। विपक्षी दलों द्वारा शासित तीन राज्यों ने रविवार को कहा कि केंद्र ने जीएसटी के लिए जिस मुआवजा राशि का वादा किया है वह 1.58 लाख करोड़ रुपए के केंद्र के अनुमा से ज्यादा बनेगी है और इस विषय पर चर्चा के लिए जीएसटी परिषद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाना चाहिए। केरल, पंजाब और छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्रियों ने कहा कि 28 मई को हुई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 की राजस्व क्षतिपूर्ति की आवश्यकता के आकलन पर सहमति नहीं बन पायी । उनकी मांग है कि 'राजस्व संवर्धन एवं जून 2022 उपरांत मुआवजे' पर चर्चा करने के लिए जीएसटी परिषद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने कहा कि सभी राज्य राजस्व में 20 से 50 प्रतिशत तक की कमी का सामना कर रहे हैं और हमने यह बात कही कि राज्यों के राजस्व पर चर्चा करने के लिए हर तिमाही में परिषद की बैठक बुलानी चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत की मिसाल बनीं ग्वालियर जिले की ग्रामीण महिलाएँ

2348 महिलाएं बनी लखपति क्लब की सदस्य

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोरोना संकट के बाबजूद ग्वालियर जिले की ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिखी है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बने स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं जिले की 2 हजार 348 ग्रामीण महिलाएं विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के जरिए हर महीने 10 हजार रूपए से अधिक कमा रही हैं। इस प्रकार साल भर की आमदनी के आधार पर ये महिलाएं लखपति क्लब में शामिल हो गई हैं। ग्वालियर जिले की ये ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर भारत की मिशल बन गई हैं। स्व-सहायता समूहों के जरिए मिली आर्थिक मदद से ग्रामीण महिलाएं गारमेंट सेक्टर, मास्क, सेनेटाइजर व पीपीई किट निर्माण, सेनेट्री नेपकिन यूनिट, कालीन व आर्टिफिशियल ज्वैलरी, साबुन, हैण्डवॉश व वॉशिंग पाउडर, व्यवसायिक सब्जी मसलन मशरूम व अन्य सब्जियाँ मसाला उत्पादन, फूलों की खेती, झाड़ू, दौना-पत्तल निर्माण, अचार व पापड़ उत्पादन, डेयरी, मछली पालन व बकरी पालन जैसी आर्थिक गतिविधियां सफलतापूर्वक चलाकर आत्मनिर्भर बन गई हैं। गारमेंट सेक्टर से लगभग 1200 परिवार, व्यवसायिक सब्जी से 219 परिवार, उन्नत खेती से 850 परिवार, आर्टिफिशियल ज्वैलरी निर्माण से 170 परिवार, डेयरी गतिविधि से 240 परिवार, झाड़ू निर्माण से 410 परिवार, रूई बाती निर्माण से 335 परिवार और मसाला उत्पादन इकाईयों से 40 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

9 हजार पीपीई किट और 4 लाख मास्क बनाए- कोरोना संकट से पहले ग्वालियर जिले में एक भी पीपीई किट का निर्माण नहीं होता था। जब कोरोना ने पाँव पसारे तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आह्वान पर स्व-सहायता समूहों से जुड़ी जिले की ग्रामीण महिलाएं पीपीई किट और मास्क बनाने में जुट गईं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल ने बताया कि जिले के 15

ग्रामों के 165 समूहों से जुड़ी 370 महिलाएं बड़े पैमाने पर मास्क और पीपीई किट का निर्माण कर रही हैं। स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अब तक 9 हजार से अधिक पीपीई किट बनाई जा चुकी हैं। इनमें से 6 हजार पीपीई किट पुलिस को और शेष पीपीई किट मेडीकल कॉलेज एवं अन्य विभागों को उपलब्ध कराई गई हैं। इनसे समूहों की महिलाओं को 30 लाख रूपए की आमदनी हुई है। इसी तरह स्व-सहायता समूहों एवं उनके संगठनों द्वारा 4 लाख से अधिक मास्क बनाए जा चुके हैं, इनसे समूहों की महिलाओं को 150 लाख रूपए का लाभ मिला है।

इसी तरह स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं महिलाओं द्वारा दीदी गारमेंट के जरिए जिले के 1356 शासकीय स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के लिये एक लाख 22 हजार गणवेश (यूनीफार्म) तैयार करने का काम भी किया जा रहा है।

3126 समूहों से जुड़ी हैं 35 हजार 863 महिलाएं- जिले के ग्रामीण अंचल में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिले के 428 गाँवों तक पहुँच चुका है। मिशन के तहत इन गांवों में अब तक 3 हजार 126 स्व-सहायता समूह बनाए गए हैं। इन समूहों से 35 हजार 863 महिलाएं जुड़ी हैं। हर समूह का अलग-अलग कोष बना है, जो आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ समूह की महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में भी मदद करता है। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले में 291 ग्राम संगठन व 16 क्लस्टर लेवल फेडरेशन बनाए गए हैं। इनमें से 1974 स्व-सहायता समूहों को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 238 लाख रूपए चक्रिय राशि (रिवॉल्विंग फंड) के रूप में मुहैया कराई जा चुकी है। साथ ही 231 ग्राम संगठनों को 902 लाख रूपए सामुदायिक निधि के रूप में दिए गए हैं। इसके अलावा बैंकों द्वारा भी 1065 समूहों को 13 करोड़ 29 लाख रूपए की राशि आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिये दी गई है। समूहो के सशक्तिकरण की कड़ी में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के तहत 3 हजार 255 हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए 325 लाख रूपए से अधिक की मदद भी दी गई है।

समूह के उत्पादों को बाजार भी दिलाया- स्व-सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों के क्लस्टर बनाए गए हैं। साथ ही उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिये भी जिला पंचायत द्वारा कारगर कदम उठाए गए हैं। समूहों के उत्पादों की ग्वालियर स्थित संभागीय हाट बाजार, ऑनलाइन प्लेटफार्म मसलन सर्व ग्वालियर व रूरल मार्ट के जरिए बिक्री हो रही है। समूह की महिलाएं बेहतर ढंग से अपनी आर्थिक गतिविधि चला सकें, इसके लिये उन्हें समय-समय पर कौशल उन्नयन प्रशिक्षण भी दिलाया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया देवी अहिल्या बाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज देवी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के चौड़ी नामक गाँव में जन्मी अहिल्या बाई का विवाह मल्हारराव के पुत्र खण्डेराव से हुआ। अहिल्या बाई होल्कर ने महेश्वर को राजधानी बनाकर शासन किया। अहिल्या बाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत वर्ष के प्रसिद्ध तीर्थ स्थानों में मंदिर, घाट, बावडियों का निर्माण कराया और अन्न क्षेत्र खोले। अहिल्या बाई प्रजा हितैषी, धर्म परायण, वीर योद्धा और आदर्श शासक थीं। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र और महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य किए।

अभी तक 3 लाख 17 हजार 50 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 3 लाख 17 हजार 50 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 30 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 3 लाख 17 हजार 50 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 ,14 मई को 6 हजार 618, 15 मई को 6 हजार 687 कोविड, 16 मई को 5 हजार 814, 17 मई को 5 हजार 401, 18 मई को 4 हजार 822,19 मई को 4 हजार 830, 20 मई को 5 हजार 28, 21 मई को 3 हजार 944, 22 मई को 3 हजार 640, 23 मई को 3 हजार 361, 24 मई को 2 हजार 889, 25 मई को 2 हजार 832 , 26 मई को 2 हजार 527 , 27 मई को 2 हजार 487, 28 मई को 2 हजार 518, 29 मई को 2 हजार 173 और 30 मई को एक हजार 872 मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

दोस्त ने ही दिया धोखा: बच्चों को टॉफी लेने के लिए भेजा, दोस्त की पत्नी से किया दुष्कर्म

ग्वालियर। एक महिला के साथ उसके ही पति के दोस्त ने दुष्कर्म किया है। पति का दोस्त घर में आया। महिला के बच्चों को पैसे देकर टॉफी लेने भेज दिया। इसी बीच उसने धमकाकर

महिला से दुष्कर्म कर दिया। वारदात के बाद महिला को धमकाया कि उसने वीडियो बनाया है। किसी से घटना का जिक्र किया, तो वायरल कर देगा। घटना 25 मई महारापुरा के सैंथरी गांव की है। पीड़ित महिला ने पति को घटना के बारे में बताया। शिकायत के बाद महाराजपुरा पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। महाराजपुरा के सेंथरी गांव में 30 वर्षीय महिला अपने पति व दो बच्चों के साथ रहती है। पति प्राइवेट जॉब करता है। 25 मई दोपहर पास ही रहने वाला रामपाल सिंह पुत्र बदन सिंह उसके घर पहुंचा। रामपाल महिला के पति का दोस्त है, इसलिए महिला ने उसे अंदर आने दिया। रामपाल ने महिला से उसके पति के बारे में पूछा, तो उसने जवाब दिया कि वह ड्यूटी पर गए हैं। इसके बाद रामपाल ने महिला के बच्चों को 20-20 रुपए देकर कहा कि पास की दुकान से टॉफी ले आओ। बच्चों के घर से जाने के बाद रामपाल ने महिला को अंदर दूसरे कमरे में खींचकर कुंडी लगाकर दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध किया, तो उसने मारपीट भी की। वारदात के बाद महिला को धमकाकर आरोपी भाग गया। जब बच्चे टॉफी लेकर लौटे तो मां को रोता हुआ देखा। पिता के आने पर उन्हें आपबीती सुनाई।

वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी- वारदात के बाद आरोपी ने उसे धमकी दी थी कि अगर मुंह खोला तो वह उसे बदनाम कर देगा। साथ ही, पति और बच्चों को मार देगा। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने जब दबिश दी, तो आरोपी अपने घर से फरार है। उसके घर पर ताला लगा है।

कांग्रेस विधायक का हंगामा, भागते फिरे अफसर

ग्वालियर। सोमवार शाम कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक ने नगर निगम कार्यालय में हंगामा मचा दिया। उनका सवाल है जिसकी मौत कोरोना से हुई है उसके मृत्यु प्रमाण पत्र पर कोविड डेथ क्यों नहीं लिखा जा रहा है। अफसर अपनी मनमानी क्यों कर रहे हैं। इस पर उन्होंने बाल भवन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग में फिर नोडल ऑफिसर के दफ्तर में हंगामा कर सवाल जवाब किए। अफसरों पर एक जवाब देते नहीं बना। विधायक के साथ आधा सैकड़ा ऐसे लोग थे जिनके घर में किसी न किसी की कोविड से मौत हुई है, लेकिन प्रमाण पत्र पर कहीं नहीं लिखा। इस पर अफसरों का कहना है उन्होंने शासन से गाइडलाइन मांगी है कि किन दस्तावेजों के आधार पर प्रमाण पत्र पर कोविड डेथ लिखा जाए।

ग्वालियर में कोविड संक्रमण कम होने के बाद अब सबसे बड़ी समस्या कोरोना से जिनकी मौत हुई है उनके मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना है। इसको लेकर कोई भी स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है। नगर निगम ने शुरू में कुछ डेथ सार्टिफिकेट पर कोविड डेथ लिखा था, लेकिन उसके बाद लिखना बंद कर दिया। क्योंकि इसको लेकर अभी तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं है। इसी सिलसिले में सोमवार शाम 4 बजे कुछ लोग डेथ सार्टिफिकेट बनवाने पहुंचे तो उन्हें विधायक पाठक नगर निगम के बाल भवन स्थित जन कल्याण शाखा के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग के दफ्तर में पहुंच गए। विधायक ने वहां मौजूद कर्मचारियों को

प्रमाण पत्र तो दिए, लेकिन उसमें कोविड डेथ नहीं लिखा था। जब लोग परेशान हुए तो उन्होंने ग्वालियर दक्षिण से कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक को मामले की सूचना दी। कुछ ही मिनट में कांग्रेस फटकार लगाई। उन्हें सार्टिफिकेट दिखाए और पूछा जिन्होंने कोविड से तड़प तड़पकर जान गंवाई उनके प्रमाण पत्र पर कहीं भी कोविड डेथ नहीं लिखा जा रहा, आखिर इसमें हर्ज ही क्या है।

अफसरों पर नहीं देते बना जवाब- विभाग में हंगामा मचाने के बाद विधायक जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के नोडल ऑफिसर प्रदीप श्रीवास्तव के दफ्तर पहुंचे। यहां उनसे इस लापरवाही पर सवाल जवाब किए, लेकिन उन पर एक जवाब नहीं देते बना। विधायक ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि मेरी जनता के साथ यह लापरवाही बर्दाश्त नहीं करूंगा। वहीं से कलेक्टर ग्वालियर, नगर निगम कमिश्नर को कॉल किया। उन्होंने मामले को देखने का आश्वासन दिया तब जाकर विधायक का गुस्सा शांत हुआ।

मौत में अंतर, समस्या जटिल है- मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर आगे प्रशासन के सामने बहुत मुश्किल आने वाली है। क्योंकि शासकीय आंकड़े अभी तक 583 मौत की पुष्टि करते हैं। पर मुक्तिधाम में अभी तक कुल 1192 मृत लोगों का अंतिम संस्कार कोविड गाइडलाइन से हो चुका है। लगभग दोगुना का अंतर है। इस अंतर से कहां तालमेल बैठाया जाएगा इसका तो भगवान ही मालिक है। पर आगे यह मृत्यु प्रमाण पत्र शहर की नई समस्या बनने जा रहा है यह तो तय मानिए।

सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियाँ कम करने के प्रयास तेज करें

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि ''सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों'' में कमी लाने के लिए व्यापक स्तर पर काम करने की जरूरत है। बिजनेस इंटेलिजेंस एवं सतर्कता अधिकारियों को हानियों में कमी लाने के लिए विजीलेंस चेकिंग, लोड के अनुसार संयोजित कनेक्शन, घरों के बाहर मीटर की स्थापना की जांच, कृषि क्षेत्र में एग्रीकल्चर पम्प को घोषित अवधि में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, थेफ्ट प्रोन एरिया में चेकिंग, प्रत्येक उच्चदाब उपभोक्ता को जल्दी कनेक्शन और नए कनेक्शन के लिए अभियान एवं इनर्जी ऑडिट आदि गतिविधियाँ सघनता से चलाने की जरूरत है। फीडरों का इनर्जी ऑडिट सतत् प्रक्रिया का हिस्सा होना चाहिए, अस्थाई कनेक्शनों को स्थाई कनेक्शनों में बदलने का अभियान चलाना जरूरी है। ए.एम.आर. आधारित मीटर की स्थापना तथा चेकिंग गतिविधियों में अनिवार्य रूप से आईटी आधारित अनुप्रयोगों का उपयोग किया जाए। उच्चदाब उपभोक्ताओं के परिसर में खराब मीटरिंग प्रणाली को अतिशीघ्र बदला जाए और सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन आसानी से तुरंत स्वीकृत किए जाएँ। इन सब कार्यों से बिजली के उपयोग के प्रत्येक यूनिट की गणना हो सकेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा कि तकनीकी हानियाँ कम करने के लिए उपकरणों व लाईनों की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत है। इसी प्रकार यदि विद्युत उपकरणों एवं विशेष रूप से लाईनों पर भार बढ़ता है तो हानियाँ तेजी से बढ़ती हैं। कंपनी ने अधिकारियों से कहा है कि लाईनों व उपकरणों की क्षमता में भार के अनुसार वृद्धि की जानी चाहिए, जिससे कि हानियों को सीमित किया जा सके। वाणिज्यिक हानियों को कम करने के लिए खराब तथा जले मीटर तत्काल बदले जाएं। मीटर की रीडिंग समय पर निष्ठा एप से होना चाहिए। विद्युत के अवैध उपयोग की रोकथाम होना चाहिए। 11 के.व्ही. फीडरवार व ट्रांसफार्मरवार विद्युत हानियों की गणना की जाकर ज्यादा हानियों वाले क्षेत्र में सघन सतर्कता से गतिविधियाँ की जाने की जरूरत है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निवर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitodey17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478